आषाढ़ शुक्ल - 10 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 347 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 16-07-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारतीय क्रिकेट में बहुत गहराई है लेकिन बदलाव धीरे-धीरे होना चाहिए : विक्रम राठौड़
6 हिंसा के लिए जनता को उकसाना कहां तक उचित?
7 मैं एक्शन, ड्रामा, कॉमेडी हर तरह की भूमिकाएं करना चाहूंगी : तृप्ति डिमरी

फर्स्ट टेक

नौ नवंबर से पहले उत्तराखंड में लागू होगा यूसीसी : धामी

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने नवंबर में होने वाले राज्य स्थापना दिवस से पहले समान नगारिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यहां भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारी सरकार ने नौ नवंबर के राज्य स्थापना दिवस से पूर्व यूसीसी को लागू करने का लक्ष्य तय किया है।'' उन्होंने कहा कि इसका मसौदा भी सार्वजनिक कर दिया गया है।

हाल में यूसीसी की नियमावली और क्रियान्वयन समिति ने यूसीसी की चार खंडों की रिपोर्ट को वेबसाइट पर अपलोड किया था जिससे आम जन उसके बारे में जानकारी हासिल कर सकें।

पाकिस्तान सरकार ने की पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा

इस्लामाबाद/एजेन्सी। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर प्रतिबंध लगाने के अपने फैसले की घोषणा की है। पाकिस्तानी न्यूज पोर्टल डॉन की सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई पर संघीय सरकार द्वारा प्रतिबंधों की घोषणा रणनीति के तहत हो सकती है, ताकि इस पार्टी को नेशनल असेंबली में सबसे बड़ी पार्टी बनने से रोका जा सके। यह घोषणा सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षित सीटों के मामले में पीटीआई और इद्दत मामले में पार्टी प्रमुख को राहत दिए जाने के बाद की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शीर्ष अदालत और सांसदों द्वारा आरक्षित सीटों और पीटीआई से जुड़े सांसदों के निर्णयों पर नियोजित प्रतिबंध अभी निर्धारित नहीं किया गया है।

भारत, अमेरिका की नौसेनाओं ने हिंद महासागर में युद्धाभ्यास किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों ने अमेरिका के विमानवाहक पोत थियोडोर रूजवेल्ट के साथ हिंद महासागर में युद्धाभ्यास कर समुद्री क्षेत्र में दोनों देशों के बीच बढ़ते सामरिक तालमेल को प्रदर्शित किया। यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट अमेरिकी नौसेना का परमाणु ऊर्जा से चालित विमानवाहक पोत है। अमेरिकी दूतावास के एक बयान के अनुसार, थियोडोर रूजवेल्ट विमानवाहक हमलावर समूह ने हिंद महासागर में भारतीय नौसेना के युद्ध पोतों के साथ 12 जुलाई को युद्धाभ्यास किया। विमानवाहक हमलावर समूह एक नौसैन्य बेड़ा होता है, जिसमें एक विमानवाहक पोत के साथ-साथ कई युद्ध पोत और अन्य जहाज होते हैं।

15-07-2024 सूर्यास्त 6:39 बजे	16-07-2024 सूर्योदय 5:50 बजे
BSE 80,519.34 (+622.00)	NSE 24,502.15 (+186.20)
सोना 7,606 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 99,300 रु. प्रति किलो

आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से लड़ना एससीओ की प्राथमिकता : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अस्ताना(कजाकिस्तान)/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान पर परोक्ष हमला करते हुए कहा है कि क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद एक खतरा बन गया है तथा आतंकी हमलों को अंजाम व बढ़ावा देने और इसका वित्तपोषण करने वालों की पहचान और दंडित करने की जरूरत है। हाल में अस्ताना की काजिनफॉर्म समाचार एजेंसी के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि तीन बुराइयों - आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद - के खिलाफ लड़ाई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में प्राथमिकता है।

एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद की 24वीं बैठक 4 जुलाई को कजाक राजधानी अस्ताना में कजाकिस्तान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जयशंकर ने किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी सम्मेलन में शामिल हुए।

विदेश मंत्री ने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज दुनिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती आतंकवाद है। यह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरा बन गया है और इसके लिए हम सभी को तत्काल कार्रवाई करनी होगी।''

जयशंकर ने कहा, ''आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए बहुत व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। न केवल आतंकवाद के जघन्य कृत्यों को अंजाम देने वालों की, बल्कि आतंक को बढ़ावा देने वालों, इसके वित्तपोषकों और प्रायोजकों, इन सभी की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।''

विदेश मंत्री ने कहा कि उनका ''दृढ़ विश्वास'' है कि क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी संरचना (आरएटीएस) के माध्यम से एससीओ के पास क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ उपायों का प्रस्ताव करने के लिए उपयुक्त आधार है।

ट्रंप ने हत्या के प्रयास पर कहा

मेरी मौत नियत कर दी गयी थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिलवॉकी/भाषा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि पेंसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली में उन पर हुए जानलेवा हमले के बाद उनकी ''मौत नियत कर दी गयी थी'' तथा उन्होंने इस घटना को एक विचित्र अनुभव बताया।

घटना के बाद अपने पहले साक्षात्कार में 78 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति ने रूढ़िवादी अमेरिकी मीडिया को बताया कि उन्हें लगता है कि वे भाग्य या भगवान की कृपा से बच गये।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार से शुरू हो रहे

'रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन' के लिए मिलवॉकी जाते समय 'न्यूयॉर्क पोस्ट' से बात करते हुए कहा, मेरे बारे में यह माना जा रहा था कि मैं यहां नहीं रहूंगा, मेरी मौत नियत कर दी गयी थी। सम्मेलन में उन्हें पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामित किया जाएगा। उन्होंने कहा, सबसे अविश्वसनीय बात यह थी कि मैंने न केवल अपना सिर घुमाया, बल्कि सही समय पर और सही मात्रा में घुमाया। उन्होंने यह भी कहा कि जो गोली उनके कान को छूती हुई निकली, उससे उनकी आसानी से मौत हो सकती थी।

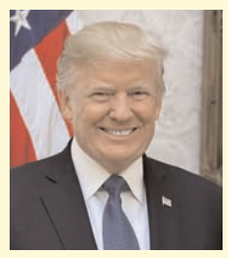

ट्रंप ने कहा, मेरी मौत नियत कर दी गयी थी, मेरे बारे में माना जा रहा था कि मैं यहां नहीं रहूंगा। उन्होंने इस पूरी घटना को एक विचित्र अनुभव बताया।

इस हमले में एक दर्शक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन पर हमला करने वाले 20 वर्षीय बंदूकधारी को भी मार गिराया गया, जिसका नाम थॉमस मैथ्यू क्रुक्स था।

सीबीआई की प्राथमिकी को चुनौती देने वाली

डी के शिवकुमार की याचिका उच्चतम न्यायालय ने खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को झटका देते हुए उच्चतम न्यायालय ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता की याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एस सी शर्मा की पीठ ने कहा कि वह कर्नाटक उच्च न्यायालय

के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती। पीठ ने कहा, ''माफ कीजिए। इसे खारिज किया जाता है।''

सुनवाई शुरू होने पर शिवकुमार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 17ए के तहत मंजूरी प्राप्त किए बिना मामले की जांच शुरू कर दी गई।

रोहतगी ने कहा कि जब आयकर (आईटी) विभाग पहले से ही जिस मामले की जांच कर रहा है तो उसी लेनदेन के लिए सीबीआई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा सकती।

बहरहाल, पीठ ने मामले पर सुनवाई से इनकार कर दिया।

शीर्ष अदालत शिवकुमार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने उच्च न्यायालय के 19 अक्टूबर 2023 के आदेश को चुनौती दी है। इस आदेश में उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करेगी कर्नाटक सरकार

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने सोमवार को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें एक अगस्त से लागू करने का फैसला किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया मंगलवार को विधानसभा में इस फैसले की घोषणा कर सकते हैं। इस कदम से राज्य सरकार के सात लाख से अधिक कर्मचारियों को लाभ होगा। पूर्व मुख्य सचिव के सुधाकर राव की अध्यक्षता वाले सातवें वेतन आयोग ने सरकारी कर्मचारियों के मूल वेतन में 27.5 प्रतिशत बढ़ोतरी की सिफारिश की है। इससे सरकारी खजाने पर सालाना 17,440.15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ने का अनुमान है। कर्नाटक राज्य सरकारी कर्मचारी संघ की अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की योजना की घोषणा के बाद से ही सिद्दरामैया सरकार पर वेतन वृद्धि से संबंधित निर्णय लेने का दबाव था। तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मार्च 2023 में कर्मचारियों के वेतन में अंतरिम तौर पर 17 प्रतिशत की वृद्धि की थी। इसमें सिद्दरामैया सरकार 10.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है।

सीबीआई ने छत्तीसगढ़ पीएससी भर्ती 'घोटाले' में प्राथमिकी दर्ज की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष और अन्य के खिलाफ कथित भाई-भतीजावाद रैकेट के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें राज्य में कांग्रेस शासन के दौरान नेताओं, पीएससी अधिकारियों और लोक सेवकों के परिवार के अयोग्य सदस्यों को आकर्षक सरकारी नौकरियों में भर्ती किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, पूर्व सचिव जीवन किशोर ध्रुव और एक परीक्षा नियंत्रक पर उनके बेटों, बेटियों, रिश्तेदारों और परिचितों को डिप्टी कलेक्टर, डिप्टी एसपी और ऐसे अन्य पदों पर भर्ती सुनिश्चित करने के लिए मेधा सूची में आगे बढ़ाने में मदद करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि 2022 सीजीपीएससी परीक्षा में हेराफेरी हुई, जिसके परिणाम 11 मई 2023 को घोषित किए गए।

उच्चतम न्यायालय ने अदाणी समूह पर अपने फैसले की समीक्षा से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने अदाणी समूह पर शेयरों की कीमतों में हेराफेरी के संबंध में लगे आरोपों की जांच का जिम्मा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष जांच दल को सौंपने से इनकार करने के अपने तीन जनवरी के फैसले की समीक्षा का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे

बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने तीन जनवरी के फैसले के खिलाफ जनहित याचिका दायर करने वालों में शामिल अनामिका जायसवाल की तरफ से दायर समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया।

पीठ ने पांच मई के अपने आदेश में कहा, ''समीक्षा याचिका पर गौर करने के बाद रिकॉर्ड में कोई त्रुटि नहीं दिखाई देती है। उच्चतम न्यायालय नियम 2013 के आदेश 47 नियम एक के तहत समीक्षा का कोई मामला नहीं बनता है। लिहाजा समीक्षा याचिका खारिज की जाती है।'' इस याचिका पर न्यायाधीशों ने चैंबर में विचार किया।

इसके पहले इस साल तीन जनवरी को शीर्ष अदालत ने शेयर कीमतों में हेराफेरी के आरोपों की सीबीआई या एसआईटी से जांच कराने का आदेश देने से इनकार कर दिया था।

बहुड़ा यात्रा

हजारों श्रद्धालुओं ने 'जय जगन्नाथ' के जयकारों और झांझ-मंजीरों की ध्वनि के बीच सोमवार को जगत पालक भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की 'बहुड़ा यात्रा' या वापसी यात्रा में उनके रथों को खींचा। श्रद्धालुओं ने भगवान बलभद्र के रथ 'तालध्वज' को अपराह्न तीन बजकर 25 मिनट पर खींचना शुरू किया। देवी सुभद्रा का रथ 'देवदलन' अपराह्न चार बजे वापसी यात्रा पर निकला जबकि भगवान जगन्नाथ के रथ 'नंदीघोष' की 'बहुड़ा यात्रा' अपराह्न चार बजकर 15 मिनट पर शुरू हुई।

एएसआई ने भोजशाला के सर्वेक्षण की रिपोर्ट मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय को सौंपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सोमवार को विवादित भोजशाला-कमाल-मौला मस्जिद परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की अपनी रिपोर्ट मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ को सौंप दी।

एएसआई के अधिवक्ता हिमांशु जोशी ने 2,000 से अधिक पन्नों की रिपोर्ट उच्च न्यायालय के पंजीयक को सौंपी।

जोशी ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मैंने रिपोर्ट सौंप दी है।'' उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय इस मामले पर 22 जुलाई को सुनवाई करेगा।

चार जुलाई को उच्च न्यायालय ने एएसआई को आदेश दिया था कि वह विवादित 11वीं सदी के स्मारक के परिसर में लगभग तीन महीने तक किए सर्वेक्षण की पूरी रिपोर्ट

15 जुलाई तक पेश करे। इस स्मारक को लेकर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच विवाद है।

भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है।

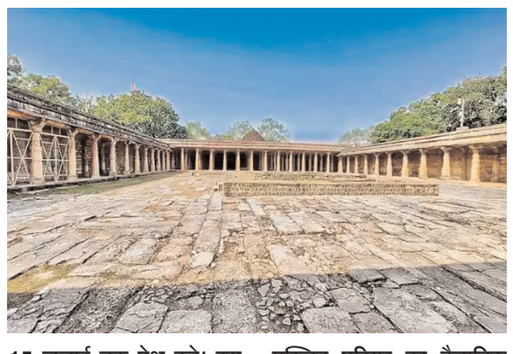

'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' नामक संगठन की अर्जी पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने 11 मार्च को एएसआई को भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने का आदेश दिया था। इसके बाद एएसआई ने 22 मार्च से इस विवादित परिसर का सर्वेक्षण शुरू किया था जो हाल ही में खत्म हुआ।

उच्च न्यायालय ने एएसआई को सर्वेक्षण पूरा करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया। बाद में एएसआई ने रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए और समय मांगा।

एएसआई ने 22 मार्च को विवादित परिसर का सर्वेक्षण शुरू किया था जो हाल ही में समाप्त हुआ।

रोहित ने कहा फिलहाल टेस्ट और वनडे खेलते रहेंगे

डलास (अमेरिका)/भाषा। पिछले महीने विश्व कप जीतने के बाद टी20 क्रिकेट को अलविदा कह चुके भारतीय क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि वह कम से कम कुछ समय तक टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेलते रहेंगे। रोहित वेस्टइंडीज में विश्व कप जीतने के बाद से ब्रेक पर हैं और श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मैच भी नहीं खेलेंगे।

सैंतीस वर्ष के रोहित ने यहां एक समारोह में कहा, ''मैंने कहा है कि मैं बहुत आगे की नहीं सोचता। कम से कम कुछ समय तक तो आप मुझे खेलते देखेंगे।'' इससे पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप सत्र और अगले साल फरवरी मार्च में चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित ही भारत के कप्तान होंगे। रोहित टी20 विश्व कप 2022 में भारत के कप्तान थे जिसमें इंग्लैंड ने उसे सेमीफाइनल में हराया। इसके एक साल बाद भारत में 50 ओवरों के विश्व कप के फाइनल में टीम आस्ट्रेलिया से हार गई।

के पी शर्मा ओली ने चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। के.पी. शर्मा ओली ने सोमवार को चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और वह नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे जो हिमालयी देश में राजनीतिक स्थिरता प्रदान करने की कठिन चुनौती का सामना करेगी।

नेपाल की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता को रविवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री नियुक्त किया। ओली संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस (एनसी) तथा अन्य छोटे दलों के साथ गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे।

ओली (72) पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' की जगह लेंगे जो शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल नहीं कर पाये।

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनीफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष

ओली को राष्ट्रपति भवन के मुख्य भवन शीतल निवास में पौडेल ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह आधे घंटे से अधिक देरी से शुरू हुआ।

समाचार पोर्टल 'माई रिपब्लिक' के अनुसार, पार्टी के भीतर विवाद के चलते नेपाली कांग्रेस सरकार में शामिल होने के लिए अपने मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप देने में विफल रही जिसके कारण ही शपथ ग्रहण समारोह में देरी हुई।

राष्ट्रपति ने दो उप प्रधानमंत्री, प्रकाश मान सिंह और बिष्णु पौडेल को भी शपथ दिलाई। इसके अलावा 19 अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली। सिंह शहरी विकास मंत्रालय का कार्यभार भी संभालेंगे जबकि विष्णु प्रकाश पौडेल वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभालेंगे।

नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की पत्नी आरजू राणा देउबा कैबिनेट में विदेश मंत्री होंगी।

सरकार में नेपाली कांग्रेस से 10 कैबिनेट मंत्री हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पद लिप्सा

हल्दी की गांठ पकड़ मूषक,
खुद को पंसारी समझ रहे।
बिन तुले हुए ही कांटे पर,
वे खुद को भारी समझ रहे।
जन के मत को विस्मृत कर के,
पद का अधिकारी समझ रहे।
कुछ सीटों को पा कर नेता,
खुद को अवतारी समझ रहे।।

सिद्धचक्र विधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विल्सन गार्डन दिगम्बर मंदिर में सिद्धचक्र विधान के दूसरे दिन अरिहंतगिरी के भट्टारक स्वस्तिश्री धवलकीर्ति स्वामीजी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। स्वामीजी ने सिद्धचक्र विधान की महिमा का बखान किया। क्षुल्लक भट्टारक प्रमेय सागरजी ने भी आशीर्वाद दिया। विल्सन गार्डन स्थित शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अष्टान्हिका महापर्व पर अष्टदिवसीय सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया गया।

अमित शाह ने वृक्षारोपण का विश्व कीर्तिमान बनाने पर इंदौर को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ''एक टीम द्वारा 24 घंटे के भीतर सबसे अधिक पौधे लगाकर'' गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने पर इंदौर शहर को बधाई दी और कहा कि शहर में मां धरती मुस्कुरा रही हैं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि राज्य की आर्थिक राजधानी इंदौर पहले ही भारत का सबसे स्वच्छ शहर है और अब उसने एक दिन में 11 लाख पौधे लगाकर विश्व कीर्तिमान बना दिया है।

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र और उसे ग्रहण करने की तस्वीर भी साझा की।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री शाह ने रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में हिस्सा लिया था और इंदौर में एक पौधा रोपा था। शाह ने रविवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''बधाई इंदौर! इंदौर शहर ने एक दिन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत 11 लाख पौधे रोप कर विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। उन्होंने नजीर की पेश की है जिसका आने वाले सालों में लाखों लोगों द्वारा अनुकरण किया जाएगा। मां धरती इंदौर में मुस्कुरा रही हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के दिन 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की थी।

शाह ने कहा कि इस अभियान के तहत देश भर में 140 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे जिनमें से पांच करोड़ पौधे 'भारत के फेफड़े' मध्य प्रदेश में रोपे जाएंगे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वेबसाइट के अनुसार, 24 घंटे में सबसे अधिक पौधे लगाने का पिछला रिकॉर्ड 9,21,730 पौधों का था। उक्त रिकॉर्ड असम सरकार के वन विभाग ने उदलगुड़ी में 13 और 14 सितंबर, 2023 को बनाया था।

विपक्ष में बैठने से किसी को भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई से छूट नहीं मिल जाती : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति मामले में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को उच्चतम न्यायालय से झटका मिलने के बाद सोमवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष में बैठने भर से किसी को भी भ्रष्टाचार के मामलों और उसके बाद की कार्रवाई से छूट नहीं मिल जाती।

भाजपा के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के भ्रष्टाचार के आरोपी कई नेता जमानत पर बाहर हैं और उन्हें अदालतों से कोई राहत नहीं मिल रही है। ज्ञात हो कि उच्चतम न्यायालय ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी को चुनौती देने वाली शिवकुमार की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। शीर्ष अदालत शिवकुमार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने उच्च न्यायालय के 19 अक्टूबर 2023 के आदेश को चुनौती दी है। इस आदेश में उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि शिवकुमार ने 2013 से 2018 के बीच आय के अपने ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की। वह उस दौरान तब की कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। सीबीआई ने तीन सितंबर 2020 को प्राथमिकी दर्ज करायी थी। शिवकुमार ने 2021 में उच्च न्यायालय में प्राथमिकी को चुनौती दी थी। संबंधित फैसले की एक रिपोर्ट 'एक्स' पर साझा करते हुए मालवीय ने कहा कि 'भ्रष्ट इंडी' गठबंधन के नेता, चाहे वह ममता बनर्जी के भतीजे हों या लालू प्रसाद और परिवार, केजरीवाल एंड कंपनी हो, केसीआर के नाम से लोकप्रिय तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता या फिर सोनिया और राहुल गांधी, जो वर्तमान में नेशनल हेराल्ड घोटाले में जमानत पर हैं, अदालतों से इन्हें कोई राहत नहीं मिली है। उन्होंने कहा, ''एजेंसियों पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाना आसान है, लेकिन विपक्ष में बैठने से किसी को भी भ्रष्टाचार के मामलों और उसके बाद की कार्रवाई से छूट नहीं मिल जाती...।'' मालवीय ने कहा कि यदि विपक्ष को लगता है कि कोई भ्रष्ट है और उसे सत्ता पक्ष का संरक्षण मिल रहा है तो उसे उसके खिलाफ न्यायालय जाने और कार्रवाई की मांग करनी चाहिए।

चातुर्मास धर्म जागरण का मंगलकारी व कल्याणकारी अवसर है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

हनुमंतनगर स्थानक में हुआ चार्तुमास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में सोमवार को साध्वीश्री धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी का धूमधाम से सम्पन्न हुआ। साध्वीद्वय ने सोमवार को जैन लाइफ जलसा अपार्टमेंट गवीपुरम एक्सटेंशन से शोभायात्रा के साथ सुबह मंगल प्रस्थान कर स्थानक भवन में वर्षावास प्रवेश किया। साध्वीश्री धर्मप्रभाजी मंगलाचरण किया। सर्वप्रथम महिला मंडल, बहुमंडल की सदस्याओं ने स्वागत गीत पेश किया।संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत भाषण दिया। मंत्री सुरेशकुमार धोका ने साध्वीद्वय का स्वागत कर कृतज्ञता व्यक्त की।

साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की तिथि का विशेष महत्व है। जहां आज बेंगलूरु एवं बाहर के क्षेत्रों में संत,सती मण्डल ने अपने अपने क्षेत्रों में चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश किया। उन्होंने कहा कि चातुर्मास धर्म जागरण का पावन मंगलकारी, कल्याणकारी अवसर है। साध्वी मंडल ने हनुमंतनगर संघ की सेवा भावना की सराहना करते हुए वर्षावास में ज्यादा से ज्यादा धर्म, ध्यान,तप,जप, स्वाध्याय, सामायिक संवर प्रतिक्रमण, त्याग साधना, आराधना करने की प्रेरणा की। मरूधर केसरीजी एवं प्रवर्तकश्री रूपमुनिजी महाराज के महान उपकारों को याद किया। हनुमंतनगर संघ-ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया। पारस मल कटारिया, प्रभा खाबिया, महावीरचंद सिसोदिया, सुरेन्द्र मेहता, देवीलाल पितलिया, अशोक धोका,सरला दुगड़, शीतल रांका, धनपत धारीवाल आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष कल्याणसिंह बुरड़, हुकमीचंद कांकरिया, रणजीतमल कानूगा, पदमराज मेहता, अशोक रांका सहित महिला मंडल अध्यक्षा मंजूबाई , रतनीबाई मेहता, युवक मंडल अध्यक्ष शीतल रांका, मंत्री किशोर बाफना एवम संघ के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। इस मौके पर चेन्नई, ऊटी आदि शहरों से गुरु भक्त उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संघ सचिव सुरेश कुमार धोका ने किया।

भाजपा विधायक ने कॉलेज की डिग्री का किया 'अपमान' : छात्रों को पंचर की दुकान खोलने की सलाह दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुना/भाषा। मध्य प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पन्नालाल शाक्य ने एक विवादास्पद बयान देते हुए विद्यार्थियों से कहा कि डिग्री हासिल करने से कुछ नहीं होगा और वे ''मोटरसाइकिल पंचर की दुकान''खोल लें। विधायक ने यह बयान ऐसे समय दिया जब वह अपने निर्वाचन क्षेत्र गुना में 'पीएम कॉलेस ऑफ एक्सीलेंस' के उद्घाटन के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को इंदौर में आयोजित एक समारोह में राज्य के 55 जिलों में 'पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया था। इस अवसर पर गुना सहित संबंधित जिलों में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। गुना में आयोजित कार्यक्रम में शाक्य ने कहा, ''हम आज 'पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' का शुभारंभ कर रहे हैं। मैं सभी से अपील करता हूं कि एक बोध वाक्य दिमाग में रखें कि इन महाविद्यालयों की डिग्रियों से कुछ नहीं होने वाला है। इसके बजाय, कम से कम आजीविका कमाने के लिए मोटरसाइकिल पंचर ठीक करने की दुकान खोलें।'' इंदौर में रविवार को आयोजित विशाल पौधारोपण अभियान का स्पष्ट संदर्भ देते हुए शाक्य ने कहा, ''लोग पौधे तो लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें पानी देने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।'' अभियान के तहत इंदौर शहर में 24 घंटे के दौरान 11 लाख से अधिक पौधे रोपे गए जो नया विश्व कीर्तिमान है। विधायक ने कहा कि सबसे पहले 'पंचतत्वों' (पृथ्वी, वायु, जल, सौर ऊर्जा और आकाश) को बचाना चाहिए जिनसे मानव शरीर का निर्माण होता है।

रूस को निर्यात बढ़ाने के लिए व्यापार बाधाएं दूर करने पर विचार : वाणिज्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत आर्थिक प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस को निर्यात बढ़ाने और 100 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य हासिल करने को व्यापार अड़चनें दूर करने और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। सोमवार को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह बात कही।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हाल में मॉस्को में हुई शिखर बैठक के बाद एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल रूस के दौरे पर जा सकता है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। गैर-शुल्क बाधाएं हैं, जिनपर हमने रूस से विचार करने के लिए कहा है। रूस की एक और यात्रा होगी। हम बेहतर बाजार पहुंच (रूस को भारतीय निर्यात बढ़ाने के लिए) पर विचार कर रहे हैं।'' भारत और रूस ने वर्ष 2030 तक वार्षिक व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 67 अरब डॉलर है। बर्थवाल ने कहा, ''हम निर्यात की जा सकने वाली विभिन्न वस्तुओं, मसलन इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग एवं अन्य उत्पादों पर विचार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भारतीय समुद्री और औषधि निर्यातकों को प्रमाणपत्र के मामले में रूस में समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

महाराष्ट्र से परियोजनाएं जाने पर विवाद: शेलार ने संजय राउत पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र से उद्योगों के बाहर जाने के शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के आरोप पर उनकी आलोचना करते हुए मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार ने सोमवार कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी से संबद्ध मजदूर संघ राज्य में औद्योगिक इकाइयों को तंग कर रहे हैं।

शिवसेना (यूबीटी), राकांपा (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस को शामिल कर बनी महा विकास आघाडी के नेता ने नियमित रूप से एकनाथ शिंदे सरकार पर परियोजनाओं और निवेशों को अन्य राज्यों, विशेष रूप से पड़ोसी गुजरात, में जाने से रोकने में सक्षम नहीं होने का आरोप लगाया है। 'एक्स' पर एक संदेश में शेलार ने कहा कि एल एंड टी, महिंद्रा, खंबाटा, एएफएल लॉजिस्टिक और पुणे स्थित बजाज ऑटो लिमिटेड जैसी कंपनियां ऐसे मजदूर संघों के दबाव के कारण महाराष्ट्र छोड़ कर चली गईं। भारतीय जनता पार्टी के नेता शेलार ने वेदांता फॉक्सकॉन, कोंकण के बारसू में तेलशोधक परिसर और दहानु के वधावन में विशाल बंदरगाह जैसी परियोजनाओं के विरोध पर भी सवाल उठाया और कहा कि इस तरह के कदम इस विमर्श के विपरीत हैं कि महाराष्ट्र औद्योगिक विकास से वंचित हो रहा है। उन्होंने कहा कि राउत और उनकी पार्टी अब एस.के. पाटिल और मोरारजी देसाई (तत्कालीन बंबई राज्य के मुख्यमंत्री) की कांग्रेस के साथ बैठी है, जिसने मुंबई को महाराष्ट्र में मिलाने के लिए संघर्ष कर रहे आंदोलनकारियों पर गोलियां चलाई थीं। यह संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन और 21 नवंबर 1955 की घटना का स्पष्ट संदर्भ है, जिसमें फ्लोरा फाउंटेन में 106 लोगों की (पुलिस की) गोलियां लगने से जान गयी थी। शेलार ने दावा किया, कांग्रेस के हाथों पर महाराष्ट्र राज्य के लिए बलिदान देने वाले मराठी लोगों का खून है। इतिहास आपको कभी माफ नहीं करेगा।

जम्मू-कश्मीर: सुरक्षा बलों ने जम्मू, डोडा, रियासी जिलों में तलाशी अभियान चलाया

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के जम्मू, डोडा और रियासी जिलों में सोमवार को कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक ग्रामीण ने तीन लोगों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दी थी जिसके बाद सोमवार को तड़के जम्मू के अखनूर सेक्टर में लोअर घरोटा, थाथी और आसपास के इलाकों में पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कर्मियों ने संयुक्त अभियान चलाया।

उन्होंने बताया कि दो घंटे से अधिक समय के अभियान के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। डोडा जिले के कोटी वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सेना की सहायता से सुबह साढ़े नौ बजे घेराबंदी की और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान जारी है, लेकिन अभी तक आतंकवादियों की मौजूदगी का पता नहीं लगा है।

जेल में केजरीवाल का वजन दो किलो कम हुआ, 'आप' के दावे भ्रामक: तिहाड़ प्रशासन

नई दिल्ली/भाषा। तिहाड़ जेल प्रशासन ने सोमवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का वजन जेल में केवल दो किलोग्राम कम हुआ है और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का एक चिकित्सा बोर्ड उनकी नियमित निगरानी कर रहा है। जेल प्रशासन ने आम आदमी पार्टी (आप) के उन दावों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया है कि उसके पार्टी प्रमुख केजरीवाल की सेहत बिगड़ रही है। दिल्ली सरकार के गृह विभाग को भेजी गई एक रिपोर्ट में तिहाड़ प्रशासन ने केजरीवाल के बारे में जानकारी साझा की और कहा कि आप मंत्रियों और नेताओं द्वारा गढ़ी गई कहानी ''जनता को भ्रमित और गुमराह करती है।'' इस बीच आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि जेल अधिकारियों द्वारा 'लीक' की गई रिपोर्ट से पता चलता है कि केजरीवाल का वजन कम हो गया और उन्हें जेल में कई बार 'हाइपोग्लाइसीमिया' (रक्त शर्करा के कम होने की समस्या) का सामना करना पड़ा जिसके कारण 'कुछ अप्रिय' घटित हो सकता है। आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल की 21 मार्च को गिरफ्तारी के बाद से आप और तिहाड़ जेल प्रशासन उनके स्वास्थ्य की स्थिति को लेकर आमने-सामने हैं। तिहाड़ की रिपोर्ट में कहा गया है कि जब केजरीवाल पहली बार एक अप्रैल को जेल आए थे तो उनका वजन 65 किलोग्राम था और आठ से 29 अप्रैल के बीच उनका वजन 66 किलो था।

भाजपा ने हिंदू वोटों के लिए कश्मीरी पंडितों के पलायन मुद्दे का इस्तेमाल किया : पनुन कश्मीर

जम्मू/भाषा। पनुन कश्मीर ने सोमवार को भाजपा नेतृत्व की आलोचना करते हुए उस पर कश्मीरी हिंदुओं के पलायन के मुद्दे का इस्तेमाल पूरे भारत में हिंदू वोट हासिल करने और अपने विरोधियों पर आरोप लगाने की खातिर करने का आरोप लगाया। कश्मीरी पंडितों के अधिकारों की वकालत करने वाले संगठन ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में विस्थापित समुदाय की उपेक्षा की है। उसने कहा कि अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित करने के बावजूद भाजपा सरकार ने कश्मीरी पंडितों के प्रति उदासीनता और पक्षपात रवैया अपनाया है।

जोमैटो ने चुनिंदा शहरों में अपने प्लेटफॉर्म शुल्क में बढ़ोतरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खानपान उत्पादों की ऑनलाइन आपूर्ति करने वाले मंच जोमैटो ने दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु में प्रत्येक ऑर्डर पर लिए जाने वाले शुल्क को पांच रुपये से बढ़ाकर छह रुपये कर दिया है।

हालांकि, जोमैटो के प्रतिद्वंद्वी मंच स्विगी ने एक दिन पहले अपने शुल्क में की गई बढ़ोतरी सोमवार को वापस ले ली। इसके ऐप पर उपलब्ध सूचना के मुताबिक, अब स्विगी एक ऑर्डर पर पहले की ही तरह पांच रुपये का शुल्क ले रही है। इस बढ़ोतरी की वजह के बारे में संपर्क किए जाने पर जोमैटो और स्विगी दोनों ने ही कोई प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया। दोनों ही ऑनलाइन फूड डिलिवरी कंपनियों ने पिछले साल पहली बार अपने मंच के जरिये दिए जाने वाले ऑर्डर पर शुल्क लगाया था। शुरुआत में यह शुल्क दो रुपये प्रति ऑर्डर था जिसे धीरे-धीरे बढ़ाया गया।

जानकारों का कहना है कि जोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियां प्लेटफॉर्म शुल्क लगाकर लाभ कमाने की अपनी क्षमता बढ़ाना चाहती हैं। इस खंड में इन दोनों कंपनियों का ही दबदबा है।

उद्धव ठाकरे विश्वासघात के शिकार : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उत्तराखंड स्थित ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को कहा कि शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे विश्वासघात के शिकार हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इस साल जनवरी में अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने से इनकार कर दिया था।

ठाकरे से मुंबई के बांद्रा स्थित उनके आवास 'मातोश्री' में मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बातचीत में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, ''उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है और कई लोग इससे आक्रोशित हैं। मैं उनके आग्रह पर उनसे मिला और कहा कि जनता को हुई पीड़ा उनके दोबारा मुख्यमंत्री बनने तक कम नहीं होगी।'' स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, '' उन्होंने (ठाकरे) ने कहा कि वह हमारे आशीर्वाद से जो भी जरूरत होगी, करेंगे।'' उन्होंने कहा कि विश्वासघात सबसे बड़ा पाप है।

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य ने कहा, ''जो विश्वासघात करता है वह हिंदू नहीं हो सकता है। जो विश्वासघात सहता है, वह हिंदू है।'' उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र की पूरी जनता विश्वासघात से आक्रोशित है और यह हाल के (लोकसभा) चुनाव में प्रतिबिंबित भी हुआ।'' उन्होंने कहा, ''हमारा राजनीति से कोई लेना देना नहीं है लेकिन हम विश्वासघात के बारे में बात कर रहे हैं जो धर्म के अनुसार पाप है।''

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा 10 जुलाई को दिल्ली में केदारनाथ मंदिर की आधारशिला रखने के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा, ''जब केदारनाथ का पता हिमालय है तो कैसे यह दिल्ली में हो सकता है? आप लोगों को क्यों भ्रमित कर रहे हैं।'' शंकराचार्य ने मातोश्री में आयोजित पूजा समारोह में भी हिस्सा लिया।

प्रत्येक 10 में से नौ मोबाइल ग्राहक कॉल ड्रॉप की समस्या से परेशान: सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

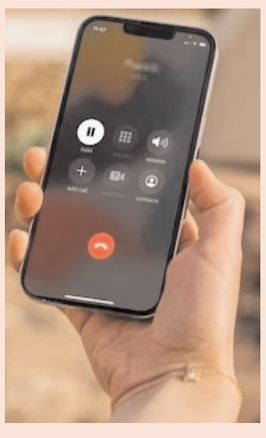

नई दिल्ली/भाषा। लगभग 89 प्रतिशत मोबाइल उपयोगकर्ताओं को पिछले तीन माह में कॉल ड्रॉप की समस्या का सामना करना पड़ा है और 10 में से नौ लोगों ने कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप के जरिये कॉल करने के लिए वाई-फाई नेटवर्क का इस्तेमाल किया है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में सोमवार को यह आकलन पेश किया गया। ऑनलाइन सर्वेक्षण फर्म लोकलसर्किल्स ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि मार्च और जून के बीच मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं को कॉल ड्रॉप की अधिकता का सामना करना पड़ा है। यह सर्वेक्षण 362 जिलों से विभिन्न सवालों पर आई कुल 32,000 प्रतिक्रियाओं पर आधारित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ''सर्वेक्षण में शामिल 89 प्रतिशत ग्राहकों को फोन पर दूसरे से संपर्क करने और चलती कॉल के बीच में कटने की की समस्या का सामना करना पड़ा है। इन 89 प्रतिशत लोगों में से 38 प्रतिशत को 20 प्रतिशत से अधिक कॉल में समस्या का सामना करना पड़ा है।'' कॉल ड्रॉप के संबंध में 17 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि उन्हें अपनी आधी से भी अधिक कॉल में समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जबकि 21 प्रतिशत ने कहा कि उनके 20-50 प्रतिशत कॉल कट जाते हैं या अचानक कनेक्शन टूट जाता है।

लोकलसर्किल्स के संस्थापक सचिन तपारिया ने कहा, ''अधिकांश मोबाइल ग्राहकों को कॉल कनेक्शन और कॉल ड्रॉप की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में हर 10 में से नौ लोग कुछ कॉल के लिए इंटरनेट कॉल और व्हाट्सएप जैसे ओटीटी ऐप का इस्तेमाल करने लगे हैं।'' सर्वेक्षण के मुताबिक, मोबाइल ग्राहकों के बीच पिछले दो साल में वाई-फाई के जरिये कॉल करने के लिए ओटीटी ऐप का इस्तेमाल बढ़ा है। इसकी वजह यह है कि ग्राहकों को अपने मोबाइल नेटवर्क के साथ कॉल कनेक्टिविटी और ड्रॉप की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

भाजपा राजनीतिक वजहों से आपातकाल के मुद्दे को उठा रही : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने 1975 से 1977 तक लागू आपातकाल का 'राग' अलापने पर भारतीय जनता पार्टी की सोमवार को आलोचना की। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा की केंद्र सरकार क्या शिक्षा के विषय को राज्य सूची में लाने को तैयार है जो आपातकाल के दौरान किए गए संविधान संशोधन के तहत समवर्ती सूची में डाल दिया गया था। स्टालिन ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार संसद में आपातकाल का राग अलाप रही है। उन्होंने कहा, हम केंद्र सरकार से पूछना चाहते हैं क्या कि वह तत्काल शिक्षा के विषय को (संविधान में)राज्य की सूची में डालने को तैयार है जिसे आपातकाल के दौरान समवर्ती सूची में लाया गया था। क्या वे यह सकारात्मक पहल करेंगे?

स्टालिन सरकारी प्राथमिक स्कूलों में विद्यार्थियों को नाश्ता देने की योजना का विस्तार राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सरकारी सहायता प्राप्त निजी स्कूलों में करने की शुरुआत के वास्ते तिरुवल्लूर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, जहां तक हमारा रुख है तो नीट और नयी शिक्षा नीति (एनईपी) अनावश्यक है और हम इनका विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर हम राजनीतिक और कानूनी मोर्चे पर

लड़ाई लड़ रहे हैं तो दूसरी ओर विद्यालयों, महाविद्यालयों और उच्चशिक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बना रहे हैं।

स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार का रुख है कि भूख हो, नीट या केंद्र की एनईपी ये तमिलनाडु के विद्यार्थियों के शिक्षा ग्रहण करने के रास्ते में बाधा है।

तमिलनाडु : स्टालिन ने सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में नाश्ता योजना का विस्तार किया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को सरकारी सहायता प्राप्त ग्रामीण क्षेत्रों के निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए नाश्ते की योजना का विस्तार किया। तिरुवल्लूर जिले के सेंट ऐनी स्कूल में इस योजना की शुरुआत करते हुए स्टालिन ने बच्चों को खाना परोसा और उनके साथ बैठकर खाना भी खाया। इस योजना का विस्तार दिवंगत मुख्यमंत्री के कामराज की जयंती के अवसर पर किया जा रहा है। उनकी जयंती को राज्य सरकार 'कलवी वलार्ची नाल' (शिक्षा विकास दिवस) के रूप में मनाती है।

अपने संबोधन में स्टालिन ने कहा कि सरकारी सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों (कक्षा एक से पांच तक) सहित कुल मिलाकर 20.73 लाख से अधिक बच्चे प्रतिदिन पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता करते हैं। उन्होंने कहा कि नाश्ता योजना माता-पिता पर आर्थिक बोझ कम करती है, छात्रों को आत्मविश्वास देती है, छात्रों की उपस्थिति बढ़ाती है और उनके स्कूल छोड़ने की दर को कम करती है। उन्होंने कहा, नाश्ता योजना से कई लाभ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अक्सर सरकारी स्कूलों में भोजन की गुणवत्ता की औचक जांच करते हैं और उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बिना किसी पूर्व सूचना के निरीक्षण करें। लोगों और लाभार्थियों का कहना है कि यह योजना न केवल गरीबों के लिए बल्कि मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए भी उपयोगी है जहां माता-पिता दोनों काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि भले ही मीडिया द्रविण मॉडल की इस प्रकार की योजनाओं की सराहना करे अथवा नहीं, लोग इसे पसंद करते हैं। मुख्यमंत्री ने परोक्ष ढंग से 'जन विरोधी शक्तियों के एजेंडा' और उनके विमर्श की आलोचना की और दावा किया कि इस प्रकार की चीजें कभी सफल नहीं होंगी। सरकार ने कहा कि इस कदम से राज्य भर के 3,995 सरकारी सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों के 2,23,536 बच्चों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने प्रायोगिक तौर पर इस योजना की शुरुआत 15 सितंबर 2022 को की थी। योजना से राज्य के 1,545 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा एक से पांच तक के 1.14 लाख छात्रों को लाभ मिला। लगभग एक साल बाद 25 अगस्त 2023 को इस योजना को पूरे प्रदेश में लागू किया गया, जिससे प्रदेश के 30,992 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के करीब 18.50 लाख छात्र इसके दायरे में आ गए। अब सहायता प्राप्त निजी स्कूलों तक इस योजना के पहुंचने के बाद राज्य के 21.87 लाख बच्चों को नाश्ता मिलेगा।

भाजपा नेता अन्नामलाई ने तमिलनाडु सरकार से नीट पर श्वेत पत्र लाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सलेम। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने सोमवार को अपनी मांग दोहराई कि तमिलनाडु सरकार मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' पर श्वेत पत्र जारी करे। उन्होंने दावा किया कि यह परीक्षा समाज के गरीब तबके के लिए फायदेमंद है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि सत्तारूढ़ द्रमुक राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर राजनीति कर रही है और हमारा स्पष्ट तौर पर मानना है कि नीट आवश्यक है।

अन्नामलाई ने इस वर्ष नीट को लेकर उठे विवादों का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, तमिलनाडु ने इस वर्ष नीट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, जहां 59 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं....राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) नीट का आयोजन कर रही है और उच्चतम न्यायालय देख रहा है कि इसमें कहीं कोई कमी तो नहीं है। भाजपा नेता ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पर नीट को लेकर राजनीति जारी रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, नीट का आयोजन 10 साल से हो रहा है। इस पर एक श्वेत पत्र जारी किया जाए कि नीट से पहले और बाद में सरकारी स्कूल के कितने छात्र सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला ले पाए हैं।

उन्होंने दावा किया कि यह आंकड़े चिकित्सा शिक्षा निदेशालय (डीएमई) के पास उपलब्ध हैं। भाजपा नेता ने कहा, यह (आंकड़े) तमिलनाडु के लोगों को दिखाएंगे कि नीट गरीब और मध्यम वर्ग के लिए मददगार है।

स्टालिन ने कावेरी का कम पानी छोड़ने के कर्नाटक सरकार के रुख की निंदा की, सर्वदलीय बैठक बुलायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु को कावेरी नदी का कम पानी छोड़ने का कर्नाटक सरकार का रुख कड़ी निंदा योग्य है। उन्होंने घोषणा की कि अंतरराज्यीय नदी विवाद में आगे के कदम पर फैसला करने के लिए 16 जुलाई को विधायक दल के नेताओं की बैठक बुलाई गई है। स्टालिन ने यहां एक बयान में कहा कि 15 जुलाई 2024 तक कर्नाटक के चार मुख्य बांधों में कुल भंडारण 75.586 टीएमसी फुट है, जबकि तमिलनाडु के मेट्टूर जलाशय में जल स्तर मात्र 13.808 टीएमसी फुट है।

स्टालिन ने कहा कि इसके अलावा, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, पर्याप्त वर्षा की गुंजाइश है, इसलिए, कर्नाटक का कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के निर्देश के अनुसार पानी छोड़ने से इनकार करना तमिलनाडु के किसानों के साथ विश्वासघात है। स्टालिन ने कहा कि राज्य इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। रविवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा था कि राज्य सरकार सीडब्ल्यूआरसी के निर्देशानुसार इस महीने के अंत तक एक टीएमसी फुट के बजाय कावेरी नदी से तमिलनाडु को प्रतिदिन 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए तैयार है।

स्टालिन ने कहा कि उन्होंने कावेरी जल को लेकर उठाये जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श करने के लिए राज्य विधानसभा में प्रतिनिधित्व करने वाले दलों के नेताओं की एक बैठक बुलाई है। यह बैठक 16 जुलाई, 2024 को पूर्वाह्न 11 बजे राज्य के जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन के नेतृत्व में यहां राज्य सचिवालय में होगी। साथ ही, कानूनी विशेषज्ञों की राय ली जाएगी और आगे के कदम का फैसला सरकार द्वारा किया जाएगा।

पुडुचेरी सरकार कामराज की कल्पना के अनुरूप शिक्षा संबंधी योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है : रंगासामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने सोमवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री के कामराज की कल्पना के अनुरूप शिक्षा संबंधी योजनाओं और छात्र कल्याण कार्यक्रमों को लागू कर रही है।

कामराज की जयंती के अवसर पर यहां कामराजार मणिमंडपम (स्मारक) में उनके नाम पर निर्मित एक पुस्तकालय का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा, कामराज ने युवकों व युवतियों शिक्षित करने पर बल दिया और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू किया। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने, छात्रों के

लिए सुविधाएं प्रदान करने और युवा पीढ़ी के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिमंडपम में सिविल सेवा परीक्षा जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने के लिए छात्रों के लिए कोचिंग सहित सभी सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा कि इसका निर्माण 29 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में 50,000 पुस्तकें हैं और यह आसपास के छात्रों, और अन्य लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न विषयों पर जानकारी करने के लिए डाउनलोड ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी के लेखकों और विद्वानों द्वारा लिखी गई किताबें खरीदी जाएंगी क्योंकि इससे लेखकों को काफी प्रोत्साहन मिलेगा और वे सरकार द्वारा प्रोत्साहित किए जाने के भी हकदार हैं।

उन्होंने कहा, हमारे पास पहले से ही रोमां रोलां के नाम पर एक बड़ा पुस्तकालय है, जहां चार लाख पुस्तक हैं। इस पुस्तकालय को जल्द ही और किताबें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि मणिमंडपम में जल्द ही एक फोटो विभाग होगा, जिसमें कामराज के जीवन की विभिन्न घटनाओं और इतिहास को दिखाया जाएगा।

पुडुचेरी विधानसभा अध्यक्ष आर सेल्वम, भाजपा विधायक ए जॉन कुमार और कला एवं संस्कृति विभाग के अधिकारी भी इस मौके पर मौजूद थे।

इससे पहले उपराज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और रंगासामी ने दिवंगत नेता कामराज की जयंती समारोह के मौके पर शहर के पट्टनिकदाई जंक्शन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

तमिलनाडु के कानून मंत्री ने बसपा नेता हत्याकांड के संदिग्ध पर पुलिस के गोली चलाने को उचित ठहराया

चेन्नई। तमिलनाडु के कानून मंत्री एस. रेगुपति ने बहुजन समाज पार्टी के नेता की हत्या के मामले में मुख्य संदिग्ध पर गोली चलाने की पुलिस की कार्रवाई को सोमवार को उचित ठहराया और दावा किया कि मामले में गिरफ्तार किए गए सभी लोग वास्तविक दोषी हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस के पास उस पर हमला करने वाले आरोपी पर गोली चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। मंत्री ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, पुलिस केवल उन अपराधियों पर गोली चला सकती है और उन्हें पकड़ सकती है जो पुलिस पर हमला करने के बाद भागने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा और क्या किया जा सकता है? बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के प्रमुख आरोपी के. थिरुवेंगदम ने रविवार को यहां पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया और हिरासत से भागने की कोशिश की, जिस दौरान उसे मार गिराया गया। पुलिस ने बताया था कि जब आरोपी थिरुवेंगदम को जांच के तहत उत्तरी चेन्नई के एक स्थान मनाली ले जाया गया तो उसने एक पुलिसकर्मी पर हमला कर भागने की कोशिश की, जिसके बाद एक पुलिस अधिकारी ने उसपर गोली चलाई। थिरुवेंगदम को बसपा नेता की हत्या में इस्तेमाल किये जाने के बाद छिपाकर रखे गये हथियारों की बरामदगी के लिए वहां ले जाया गया था।

केरल में एक व्यक्ति ने होटल की छत से कूदकर की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल के कोच्चि में सोमवार को 23 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर होटल की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान क्रिस जॉर्ज अब्राहम के रूप में हुई है। वह निकटवर्ती व्यट्टिला का निवासी था। वह होटल की 11वीं मंजिल की छत पर पहुंचा और फिर उसने नीचे छलांग लगा दी। उसने बताया कि होटल की 11वीं मंजिल से कूदने पर वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि घटनास्थल से सुसाइड नोट बरामद हुआ है, लेकिन उसमें आत्महत्या का कारण नहीं बताया गया है।

केरल में एक अस्पताल की लिफ्ट में दो दिन तक फंसा रहा शख्स, तीन कर्मचारी निलंबित

तिरुवनंतपुरम। केरल में तिरुवनंतपुरम के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 59 वर्षीय व्यक्ति दो दिन तक लिफ्ट के भीतर फंसा रहा लेकिन लिफ्ट के संचालन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। जब लिफ्ट को सोमवार सुबह नियमित कामकाज के लिए चालू किया गया तब उसमें व्यक्ति के फंसे होने की जानकारी मिली। इसके बाद प्रशासन ने जिम्मेदार अधिकारियों की कथित चूक पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि उलूर निवासी रवींद्रन नायर शनिवार से यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज के ओपी ब्लॉक की लिफ्ट में फंसे हुए थे और जब लिफ्ट ऑपरेटर नियमित कामकाज के लिए लिफ्ट चालू करने आया तो उसने नायर को बाहर निकाला। नायर एक चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। उन्हें विस्तृत चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया, वह पहली मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट में चढ़े थे लेकिन उन्होंने दावा किया कि लिफ्ट नीचे आ गयी और खुली नहीं। वह मदद के लिए चिल्लाए लेकिन कोई नहीं आया। उनका फोन भी बंद था। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं और इस संबंध में एक रिपोर्ट मांगी है। स्वास्थ्य विभाग ने इस घटना के संबंध में तीन स्टाफ सदस्यों - दो लिफ्ट ऑपरेटर तथा एक ड्यूटी सर्जेंट को निलंबित कर दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सोमवार सुबह सामने आयी जब लिफ्ट ऑपरेटर ने नियमित कामकाज के लिए लिफ्ट चालू की। पीड़ित व्यक्ति के परिवार ने रविवार रात को मेडिकल कॉलेज पुलिस में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करायी थी। अस्पताल में मीडिया से बातचीत में नायर ने कहा कि लिफ्ट फंस गयी थी और वह अलार्म बजाते रहे लेकिन कोई भी उनकी मदद के लिए नहीं आया। उन्होंने बताया, मैंने लिफ्ट के भीतर लिखे सभी आपात नंबर पर फोन करने का प्रयास किया लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। अलार्म भी बजाया लेकिन कोई नहीं आया। कुछ देर बाद में समझ गया कि यह महीने का दूसरा शनिवार है और अगले दिन रविवार है।

इसके बाद मैंने मदद के लिए इंतजार किया। नायर ने कहा, बाद में मुझे लिफ्ट के अंदर समय का पता ही नहीं चला। आज सुबह एक ऑपरेटर आया और मैंने अलार्म बजाया। हमने दोनों तरफ से बलपूर्वक दरवाजा खोला तथा मैं बाहर निकल आया। उन्होंने बताया कि उन्हें विश्वास था कि कोई सोमवार को आएगा और लिफ्ट चलाएगा। नायर के बेटे हरि शंकर ने बताया कि उनके पिता काफी सदमे में थे क्योंकि वह करीब दो दिन तक लिफ्ट के भीतर फंसे रहे। शंकर ने कहा, मेरे पिता ने बताया कि वह लिफ्ट के भीतर अलार्म बजाते रहे लेकिन कोई बचाने नहीं आया। तिरुमला निवासी नायर इलाज कराने के लिए अस्पताल में आए थे और शनिवार दोपहर करीब 12 बजे लिफ्ट में फंस गए। जब उनका फोन नहीं लगा तो परिवार के सदस्यों ने रविवार शाम को मेडिकल कॉलेज पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करायी।

कन्नड़ अभिनेता-फिल्म निर्माता रक्षित शेट्टी के खिलाफ 'कॉपीराइट' उल्लंघन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु। कन्नड़ अभिनेता और फिल्म निर्माता रक्षित शेट्टी के खिलाफ उनकी फिल्म 'बैचलर पार्टी' में एक संगीत कंपनी के दो गानों का कथित तौर पर 'अनधिकृत उपयोग' करने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 'एमआरटी म्यूजिक' के साझेदार नवीन कुमार ने शेट्टी और उनके प्रोडक्शन हाउस के खिलाफ यशवंतपुरा पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने

आरोप लगाया कि उनकी संगीत कंपनी के दो गाने 'गालिमथु' और न्याय एल्लिदे' का अधिकृत अनुमति प्राप्त किए बिना इस्तेमाल किया गया है। उसने बताया कि इस मामले के संबंध में अभिनेता को नोटिस जारी किया गया है। शेट्टी और उनकी टीम ने इस आरोप पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। अभिजीत महेश द्वारा निर्देशित 'बैचलर पार्टी' फिल्म इस साल 26 जनवरी को रिलीज हुई थी और शेट्टी की कंपनी 'परमवाह स्टूडियोज' ने इसका निर्माण किया था।

शिवकुमार ने याचिका खारिज होने पर कहा, कुछ भी गलत नहीं किया, न्यायालय के आदेश का पालन करूंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में सीबीआई की प्राथमिकी को चुनौती देते हुए उनकी ओर से दायर याचिका उच्चतम न्यायालय द्वारा खारिज किये जाने के बाद सोमवार को कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और शीर्ष अदालत के आदेश का पालन करेंगे। शिवकुमार ने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को दी गई मंजूरी वापस ले ली है और मामला लोकायुक्त को सौंप दिया है, इसलिए सीबीआई जांच नहीं कर सकती।

शिवकुमार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एस सी शर्मा की पीठ ने कहा कि वह कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने को इच्छुक नहीं है। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने प्राथमिकी रद्द किये जाने का आग्रह किया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह नहीं किया जा सकता। मैंने अपील दायर की और अब मुझे यह संदेश मिला कि उन्होंने (उच्चतम न्यायालय) भी कहा है कि यह नहीं किया जा सकता। अदालत जो कुछ कह रही है, उसका पालन

करूंगा। उन्होंने कहा, जांच तो होगी ही। सीबीआई को जांच नहीं करनी चाहिए, यह कहने के बावजूद वह जांच कर रही है। लोकायुक्त भी जांच कर रहे हैं। उन्हें करने दीजिए, मैंने कुछ गलत नहीं किया है। शिवकुमार ने सीबीआई के जांच जारी रखने का जिक्र करते हुए कहा, जब हमारी सरकार ने (मुकदमा चलाने की मंजूरी) वापस ले ली और मामला लोकायुक्त को सौंप दिया गया, तो सीबीआई जांच नहीं कर सकती। लेकिन वे (सीबीआई) अदालत चले गए...। मेरी संपत्ति और देनदारियों का विवरण, जो भी आवश्यक होगा मैं दूंगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह इरादतन किया जा रहा है, उन्होंने कहा, मैं अदालती विषयों पर कैसे बोल सकता हूं? अदालत के आदेश का पालन करना होगा। शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालय के 19 अक्टूबर 2023 के उस आदेश के खिलाफ शिवकुमार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उनकी अर्जी खारिज कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने सीबीआई को जांच पूरी करने और तीन महीने के अंदर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि शिवकुमार ने 2013 से 2018 के बीच अपनी आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित की। वह इस अवधि के दौरान पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। प्राथमिकी तीन सितंबर 2020 को सीबीआई द्वारा दर्ज की गई थी। शिवकुमार ने प्राथमिकी को 2021 में उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के लिए 1800 करोड़ रु की लागत से 'व्हाइट टॉपिंग' की जाएगी : कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि सरकार बेंगलूरु में 157 किलोमीटर लंबी सड़कों की 'व्हाइट टॉपिंग' के लिए 1,800 करोड़ रुपये खर्च करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये सड़कें गड्ढा मुक्त हों और करीब 25 साल तक ऐसी ही बनी रहें। व्हाइट टॉपिंग, मौजूदा सड़क को कंक्रीट की परत से ढकने की एक प्रक्रिया है। शिवकुमार ने कहा, बेंगलूरु की सड़कों पर गड्ढे होने की आशंका है। इसलिए, हम 'सुगम संचार बेंगलूरु' और 'ब्रांड बेंगलूरु' पहल के तहत सड़कों पर व्हाइट टॉपिंग करने की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने चामराजपेट, गांधीनगर, मल्लेश्वरम और महालक्ष्मीपुरा क्षेत्रों में 200 करोड़ रुपये की लागत से 'व्हाइट टॉपिंग' की गई 19.67 किलोमीटर लंबी सड़कों

पुलिस वाहन के चालक ने पेट्रोल पंप कर्मी को मारी टक्कर, बोनट पर एक किमी तक ले गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर। कन्नूर में पुलिस वाहन के एक चालक ने ईंधन का पैसा मांगे जाने पर पेट्रोल पंप कर्मी को टक्कर मार दी, जिससे वह बोनट पर गिर गया और इस हालत में उसे व्यस्त मार्ग पर एक किलोमीटर तक ले गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे सेवा से निलंबित कर दिया गया है। कन्नूर नगर के पुलिस आयुक्त अजित कुमार ने कहा कि आरोपी के खिलाफ हत्या की कोशिश समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि रविवार को पुलिस वाहन का चालक ईंधन भरवाने के बाद कथित रूप से बिना पैसे दिए जाने लगा और रोके जाने पर उसने अनिल नाम के पेट्रोल पंप कर्मी पर हमला कर दिया। घटना की सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। वीडियो में देखा जा सकता है कि व्यक्ति गाड़ी की बोनट पर है और कार ने तेज गति में राजमार्ग पर करीब एक किलोमीटर की दूरी तय की। वीडियो में, देखा जा सकता है कि अनिल की आरोपी के. संतोष कुमार के साथ बहस हो रही है। इस बीच, चालक ने अचानक कार आगे बढ़ा दी, जिससे पेट्रोल पंप कर्मी टक्कर लगने से वाहन के बोनट पर गिर गया। चालक व्यस्त मार्ग पर वाहन को करीब एक किमी तक ले गया। इस घटना में अनिल के हाथों में चोटें आई हैं। उसने नगर पुलिस थाने में एक शिकायत दायर की।

भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान बनाने के लिए सब मिलकर प्रयास करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान को समृद्ध, संपन्न और भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाने के लिए मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया और भ्रष्टाचार के खिलाफ 'कतई बर्दाश्त नहीं' की सख्त नीति अपनाते हुए भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए समन्वित प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

मिश्र ने सोमवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि कहीं भी, किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार पाया जाता है तो त्वरित उसकी शिकायत की जाए। उन्होंने कहा कि ब्यूरो प्रयास करे कि अपराधी बचने न पाए और पुख्ता सबूत जुटाए जाएं ताकि अपराधी को किसी भी स्तर पर साक्ष्य के अभाव का लाभ नहीं मिले। राज्यपाल ने कहा ब्यूरो को भ्रष्टाचार रोकने के लिए कोई ऐसी व्यूह रचना बनाने की आवश्यकता है कि एक बार कोई पकड़ा जाए तो फिर कानूनन वह किसी स्तर पर छूटे नहीं। उन्होंने भ्रष्टाचार से जुड़े विभिन्न प्रकरणों की चर्चा करते हुए कहा कि सार्वजनिक सेवा में अपने पद का, रुतबे का दुरुपयोग और अधिकारी के रूप में प्राप्त जानकारी का दुरुपयोग किया जाना भी भ्रष्ट आचरण में ही आएगा।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो लोगों को इस बात के लिए निरंतर जागरूक करे कि कहीं कोई रिश्वत की मांग करे या कहीं किसी प्रकार का भ्रष्टाचार हो तो उसकी तत्काल सूचना दी जाए। इस सूचना पर त्वरित और प्रभावी कार्यवाही भी होनी चाहिए क्योंकि भ्रष्टाचार से लड़ना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

मिश्र ने कहा कि लोकसेवकों का यह कर्तव्य है कि वे जनता से जुड़े सभी कार्यों में ईमानदारी बनाए रखें ताकि सरकारी प्रक्रिया में लोगों का विश्वास निरंतर बना रहे। उन्होंने कहा कि इसी से समतामूलक समाज के निर्माण को भी प्रभावी रूप में सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने लोक सेवकों से शुचिता का आचरण करने और इसे सभी स्तरों पर सुनिश्चित कराने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधाश पंत ने कहा कि अधिकारियों को निर्णय तुरंत लेना चाहिए और तत्काल उसका क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इससे भ्रष्टाचार को काफी हद तक रोका जा सकता है। राज्य के पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने कहा कि लगभग सभी जिला मुख्यालयों पर भ्रष्टाचार निरोधक कार्यालय प्रभावी कार्य कर रहे हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि भ्रष्टाचार राष्ट्र और राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के बाद राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक कार्रवाई सर्वाधिक की गई है।

राजस्थान की सभी तहसीलें जल्द ही ऑनलाइन होंगी : राजस्व मंत्री

जयपुर। राजस्थान सरकार ने सोमवार को राज्य विधानसभा को आश्वस्त किया कि राज्य की सभी तहसीलों को ऑनलाइन करने का काम जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य की कुल 426 तहसीलों में से 416 तहसीलें ऑनलाइन अधिसूचित हो चुकी हैं तथा शेष 10 तहसीलों को भी जल्द ही ऑनलाइन कर दिया जाएगा जिससे राज्य के आमजन को राजस्व सम्बन्धी कार्य सहज एवं सुलभ उपलब्ध हो सकेंगे। इससे पहले विधायक चेतन पटेल कोलाना के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में राजस्व मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र पीपल्दा की तहसील पीपल्दा के सभी 174 ग्राम एवं तहसील दीगोद के 86 गांव में से 63 ग्रामों के राजस्व रिकॉर्ड को ऑनलाइन किया जा चुका है।

कार नदी में गिरी, दो लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में रविवार की शाम एक कार के सड़क से नदी के पानी में गिर जाने के कारण कार सवार दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना खेरवाड़ा के जलपाका के पास उस समय घटी जब कार में सवार पांच दोस्त एक मंदिर से लौट रहे थे। घुमावदार मोड़ के पास कार गाय को टक्कर मारते हुए नदी के पानी में गिर गई। उन्होंने बताया कि तीन लोग कार से बाहर निकल गये और बच गए लेकिन कार में सवार दो अन्य... चिराग मेघवाल (24) और तिलकेश मीणा (25) डूबती हुई कार में फंस गए और उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये।

महिला ने अपने बेटे का गला दबाया, और फिर आत्महत्या की

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने बेटे की गला दबाकर कथित तौर पर हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। चौथ का बरवाड़ा के वृत्ताधिकारी घनश्याम वर्मा ने बताया कि विनोद की 28 वर्षीय पत्नी रोशनी ने रविवार देर रात अपने करीब पांच साल के बेटे का गला दबाकर उसे फांसी पर लटका दिया और फिर खुद भी अपने घर में छत से लटककर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि मामला तब सामने आया जब उसका पति रात करीब आठ बजे बाजार से घर लौटा। उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच के अनुसार, रोशनी और विनोद के बीच बहस हुई जिसके बाद विनोद बाजार चला गया था। वर्मा ने बताया कि जब वह वापस लौटा तो उसने अपनी पत्नी और बेटे को घर के एक कमरे में फंदे से लटका पाया।

चीन में मारे गए युवक की पार्थिव देह को स्वदेश लाया जाए : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विदेश मंत्रालय से राजस्थान के युवक सतीश कुमार के पार्थिव शरीर को चीन से भारत लाने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। चीन में सतीश कुमार की कथित तौर पर अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, भीनमाल (जालोर) के सतीश कुमार की 25 जून को चीन में अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। मैंने पहले भी दो बार पत्र लिखकर विदेश मंत्री एस जयशंकर से पार्थिव शरीर को भारत लाने में परिवार की मदद करने का निवेदन किया था परन्तु अभी तक पार्थिव शरीर को नहीं लाया जा सका है। उन्होंने लिखा, मैं जयशंकर एवं विदेश मंत्रालय से पुन: निवेदन करता हूं कि सतीश कुमार के पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए जरूरी कदम उठाएं जिससे अंतिम संस्कार किया जा सके।

बेढम ने गोवर्धन परिक्रमा मार्ग की तैयारियों का लिया जायजा

भरतपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सोमवार को उत्तरप्रदेश में मथुरा के गिरी गोवर्धन में 17 से 21 जुलाई तक आयोजित होने जा रहे विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेला एवं परिक्रमा की तैयारियों के लिए डीग जिले में पड़ने वाले परिक्रमा मार्ग में तैयारी का जायजा लिया। बेढम ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं चाकचौबंद रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों के साथ परिक्रमा मार्ग का पैदल भ्रमण कर विभिन्न स्थानों पर प्याऊ लगाने एवं यात्रियों के ठहराव के लिए स्थान निर्धारित कर छाया आदि की व्यवस्था करने निर्देश भी दिए। इस दौरान संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, जिला पुलिस अधीक्षक डीग राजेश मीणा, अतिरिक्त कलेक्टर डीग संतोष मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि संत सनातन की भक्ति और संस्कृति के इस अद्भुत मिलन में 21 किमी परिक्रमा मार्ग में पांच दिनों तक अटूट मानव श्रृंखला मिनी विश्व का नजारा पेश करती है।

मुलाकात

राज्यपाल कलराज मिश्र से सोमवार को राजभवन में दक्षिण पश्चिमी कमांड के लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने मुलाकात की। जयपुर स्थित सप्त शक्ति कमांड की बागडोर संभालने के बाद राज्यपाल मिश्र से उनकी यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है : खराड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबू लाल खराड़ी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में कहा कि सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग एवं जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है। उन्होंने बताया कि इन छात्रावासों में सम्बन्धित वार्डनों के विरूद्ध अनियमितता किये जाने की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

इससे पहले विधायक श्रीमती कल्पना देवी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र लाडपुरा में अनुसूचित जनजाति के 2 एवं अनुसूचित जाति के 2 छात्रावास सहित कुल 4 छात्रावास संचालित किये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा माडा क्षेत्र के अन्तर्गत मण्डाना में राजकीय बालिका आश्रम छात्रावास संचालित है। जिसकी क्षमता 50 छात्राओं की है एवं वर्तमान में 50 छात्राएं लाभान्वित हो रही हैं।

खराड़ी ने बताया कि जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा विभागीय नियमानुसार छात्रावास में आवासित छात्राओं को निर्धारित मापदण्डों के अनुसार नि:शुल्क आवास, पलंग, गद्दा, तकिया, खेस, दरी, कंबल, बेडशीट और तकिया कवर प्रति छात्रा, दो समय नाश्ता, दोपहर का लंच व डिनर दिया जाता है। रहवास, भोजन, कपड़े व अन्य सुविधाओं हेतु प्रत्येक छात्रानुसार 2500 रू. प्रतिमाह के हिसाब से प्रदान किए जाते हैं। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा विभागीय नियमानुसार छात्रावास में आवासित छात्र-छात्राओं को निर्धारित मापदण्डों के अनुसार नि:शुल्क आवास के साथ-साथ प्रति आवासी बिस्तर-पलंग, गद्दा, तकिया, 1 खेस, 1 दरी, 1 कम्बल, 2 बेडशीट और 2 तकिया कवर सामग्री के रूप में एवं 2 स्कूल यूनिफार्म मय सिलाई जूते, मोजे, तोलिये व गर्म जर्सी के लिए 2660 रू. प्रति छात्र एकमुश्त डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध करवाये जाते है।

साथ ही दोनों समय का भोजन, नाश्ता, प्रत्येक सप्ताह विशेष भोजन एवं प्रतिमाह हेयर ऑयल, नहाने और कपड़े धोने का साबुन एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकें, दैनिक समाचार पत्र-पत्रिकाएं की सुविधाएं उपलब्ध करवायी जा रही हैं। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री ने बताया कि इन सुविधाओं की निरन्तर समुचित उपलब्धता के निरीक्षण के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग एवं जिला परिषद द्वारा निरीक्षण किये जाते है। उन्होंने वर्ष 2022 से 2024 तक किये गये निरीक्षण का विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा।

झाबर सिंह के बयान पर बरसे गोविंद सिंह डोटासरा, कहा- संविधान को नहीं मानती भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में मंत्री झाबर सिंह खर्रा के तीन बच्चों वाले बयान पर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने झाबर सिंह के बयान का जिक्र कर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में कहा था कि पीएम मोदी 400 पार सीटें इसलिए चाहते हैं कि वह संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण को खत्म कर सकें। राजस्थान के मंत्री झाबर सिंह ने अपने बयान से इस बात की पुष्टि कर दी है।

कांग्रेस नेता ने झाबर सिंह के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने साफ कर दिया है कि केंद्र या राज्य सरकार इस तरह का कानून

लाने जा रही है, जिनके तीन या उससे अधिक बच्चे होंगे। उनको सरकार की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। ये संविधान की मूल अवधारणा के खिलाफ है। अभी तक कोई कानून लाया नहीं गया है, लेकिन झाबर सिंह का ये बयान निंदनीय है। वह अपने बयान से भाजपा और आरएसएस की सोच को पेश कर रहे हैं, क्योंकि वह संविधान को मानने वाले लोग नहीं हैं। उन्होंने संविधान की बात करते हुए कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने लोगों को हर एक चीज का अधिकार दिया है। ऐसे में लोगों के अधिकारों को कैसे समाप्त कर सकते हैं।

भाजपा के लोग संविधान को नहीं मानते हैं, वे आरएसएस के संविधान में यकीन रखते हैं, इसलिए जनता ने उन्हें पूर्ण बहुमत नहीं दिया। गोविंद सिंह डोटासरा ने उपचुनाव में मिली हार को लेकर भी भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि हाल में 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए थे। जनता ने वहां भी भाजपा को नकार दिया है और राजस्थान में पांच सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ेगा।

अपनी सरकार बचाने के लिए गहलोत ने अवैध फोन टैपिंग करवाई : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके तत्कालीन विशेषाधिकारी के बीच कथित बातचीत का ऑडियो क्लिप ऑनलाइन सामने आने के बाद रविवार को उन पर हमला बोला। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गहलोत पर अपनी सरकार बचाने के लिए अवैध 'फोन टैपिंग' का सहारा लेने का आरोप लगाया। गहलोत के तत्कालीन विशेषाधिकारी (ओएसडी) लोकेश शर्मा ने अप्रैल में एक संवाददाता सम्मेलन में उनके और गहलोत के बीच बातचीत की कथित कॉल रिकॉर्डिंग सुनाई थी।

उन्होंने दावा किया था कि 2020 में शेखावत और कुछ कांग्रेस नेताओं के बीच राज्य की कांग्रेस सरकार को 'गिराने' के लिए टेलीफोन पर हुई कथित बातचीत की क्लिप तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें एक पेन ड्राइव में दी थी।

शर्मा, शेखावत द्वारा दिल्ली में दर्ज अवैध तरीके से फोन टैपिंग से संबंधित मामले में आरोपी हैं। गहलोत और शर्मा के बीच कथित बातचीत की एक कॉल रिकॉर्डिंग हाल ही में सोशल मीडिया पर सामने आई।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने रविवार को कहा, पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार बचाने के लिए फोन टैपिंग का सहारा लिया था। उन्होंने फोन पर हुई बातचीत को रिकॉर्ड किया और इसे सार्वजनिक करने के लिए इसे पेन ड्राइव में 'सेव' कर लिया।

विधायकों के उद्बोधन के वीडियो अंश ऑनलाइन होंगे उपलब्ध : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में कहा है कि सत्र के दौरान सदन में विधायकों के उद्बोधनों के वीडियो अंश अब अगले दिन ऑनलाइन उपलब्ध कराये जायेंगे। राजस्थान विधानसभा के इतिहास में वीडियो अंश पहली बार ऑनलाइन उपलब्ध कराये जायेंगे। देवनानी की पहल पर यह व्यवस्था राजस्थान विधानसभा में पहली बार लागू हुई है।

देवनानी ने सोलहवीं विधानसभा के द्वितीय सत्र में इस नवाचार की जानकारी देते हुए सदन को अवगत कराया कि इस पहल से विधायक के साथ ही उनके क्षेत्र के लोग व प्रदेशवासी क्षेत्रीय विधायक की सदन में सक्रियता से परिचित हो सकेंगे।

उन्होंने बताया कि विधानसभा सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही

की ऑनलाइन व्यवस्था है। सदन में विधायक के उद्बोधन के दौरान वीडियो अंश दिये जाने की व्यवस्था भी है। अभी तक विधायकों को उनके उदबोधनों के वीडियो अंश सत्र समाप्ति के पश्चात उपलब्ध कराये जाते थे। देवनानी ने बताया कि वर्तमान में बदलते परिवेश में डिजिटल मीडिया के महत्व को देखते हुए सदन में संबंधित विधायक के उद्बोधन के अंश अब एक दिन पश्चात उपलब्ध करवाये जायेंगे ताकि जन-जन को विधायक की सदन में सक्रियता की जानकारी मिल सकें। देवनानी ने यह निर्णय वर्तमान की आवश्यकता को देखते हुए लिया है।

देवनानी ने बताया कि विधायक को उनके द्वारा सदन में दिये जाने वाले उद्बोधनों के वीडियों अंश जो वर्तमान में सत्र की समाप्ति पर पैन ड्राइव के माध्यम से उपलब्ध कराये जाते थे, अब उन्हें राजस्थान विधानसभा की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवश्यक नियमानुकुल एडिटिंग करके एक दिवस पश्चात उपलब्ध करवाये जायेंगे। उन्होंने बताया कि वीडियो अंश उपलब्ध कराये जाने वाली यह नवीन व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन: अशक्त और अक्षम बुजुर्गों से उनके घर जाकर ग्राम सेवक कराएगा भौतिक सत्यापन : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में ऐसे बुजुर्ग जिनकी हाथ की रेखाएं मिट गई हैं। उनके पास मोबाइल फोन नहीं है और जो घर से बाहर आने-जाने में अक्षम हैं। उनसे सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए अब ग्राम सेवक घर जाकर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करवाएगा। इसके साथ ही जिन ई मित्र संचालकों की गड़बड़ी की वजह से बुजुर्गों को पेंशन मिलने में दिक्कत हुई है, उनकी जांच रिपोर्ट के साथ कार्रवाई और लाइसेंस रद्द करने के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को सिफारिश भेजी जाएगी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री डॉ. अविनाश गहलोत ने सोमवार को राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक डॉ. जसवंत यादव के एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। इससे पहले डॉ. यादव ने मंत्री से आग्रह किया था कि ग्रामीण इलाकों में अनेक ऐसे बुजुर्ग हैं जिनकी हाथ की रेखाएं बढती उम्र के कारण मिट गई हैं, जिससे थंब इम्प्रेशन नहीं आ पाता है। उनके पास मोबाइल फोन होते नहीं है और सरकारी अफसरों के कार्यालयों में चक्कर लगाने के लिए वे सक्षम नहीं हैं। इसलिए किसी नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए जो उनसे घर जाकर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करवा सके। इस पर मंत्री ने माना कि पूरे प्रदेश में इस तरह की समस्या है, उनके पास भी इस तरह का फीडबैक आता है।

इससे पहले अपने जवाब में मंत्री डॉ. अविनाश गहलोत ने बताया कि बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र में पिछले 3 साल के दौरान कुल 23068 वृद्ध जन सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए पात्र पाए गए हैं। इनमें से 22619 बुजुर्गों को पेंशन राशि मिल ही है। लेकिन, 449 बुजुर्ग ऐसे हैं जिनके पेंशन प्रकरण लंबित हैं। इनमें 407 प्रकरण ऐसे हैं जिनमें पेंशनरों की मृत्यु हो चुकी है। 4 लोग ऐसे हैं जिनका बैंकिंग विवरण गलत है। जबकि 17 प्रकरणों में भौतिक सत्यापन नहीं हो पाया है।

उन्होंने बताया कि इस योजना में पात्र वृद्धजनों के आधारकार्ड से मोबाइल नम्बर नहीं जुड़ने तथा बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं होने के कारण योजना से वंचितों को लाभ देने के लिए सरकार द्वारा पेंशन पोर्टल पर अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। इसके तहत संबंधित स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के मोबाइल पर ओटीपी उपलब्ध करवाकर पेंशनर का वार्षिक भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है।

सांप्रदायिक सौहार्द्र के साथ निकले जुलूस, समुचित व्यवस्थाएं हों सुनिश्चित : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने कहा है कि मोहर्रम पर सभी प्रकार की आवश्यक व्यवस्थाएं समुचित ढंग से सुनिश्चित की जाएं। जिला मुख्यालय पर निकलने वाले ताजिया जुलूस के लिए सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हों और इस दौरान किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े।

पुलिस अधीक्षक यादव मोहर्रम को लेकर जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान एडीएम उत्तम सिंह शेखावत, एसडीएम बिजेंद्र सिंह, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया सहित अधिकारी, मोहर्रम कमेटियों से जुड़े लोग मौजूद थे।

आयोजन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चूरू का आपसी भाईचारा और सांप्रदायिक सौहाद्र हमेशा से एक मिसाल रहा है। हमारी यह कोशिश रहनी चाहिए कि चूरू की यही पहचान कायम रहे और हम लोग परस्पर मेल-मिलाप और सांप्रदायिक सौहाद्र के साथ सभी धर्मों के त्योहार मनाते रहें।

उन्होंने कहा कि इस दौरान समुचित सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे तथा चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर रहेगी। सुरक्षा नजरिए से ड्रोन का भी उपयोग किया जाएगा, जुलूस से पूर्व छतों का सर्वे किया जाएगा तथा सिविल डिफेंस की टीम भी तैनात की जाएगी। उन्होंने मोहर्रम कमेटी प्रतिनिधियों से कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना, आवश्यकता और सुझाव के लिए एसडीएम, डीवाईएसपी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों से तत्काल संपर्क करें। प्रशासन और पुलिस की ओर से आयोजन की सफलता के लिए समुचित सहयोग प्रदान किया जाएगा।

एडीएम उत्तम सिंह शेखावत ने नगर परिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, डिस्कॉम एसई वीआई परिहार सहित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए निर्देश दिए और कहा कि जुलूस के लिए निर्धारित रूट को व्यवस्थित करें तथा सड़क, बिजली, जल, एंबुलेंस सहित सहित सारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। रूट पर किसी प्रकार का कोई जर्जर भवन वगैरह हो तो उसे देख लें।

असम ने एसडीजी सूचकांक में अपनी स्थिति सुधारी : हिमंत बिश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने कहा कि राज्य ने 2023-24 में संपोषणीय विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के राष्ट्रीय सूचकांक में अपनी स्थिति सुधारी है। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह पूर्वोत्तर राज्य एसडीजी में 65 अंक पाकर 'अग्रणी' राज्यों की श्रेणी में पहुंच चुका है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर एसडीजी अंक 71 है।

शर्मा ने कहा, ''नीति आयोग ने रिपोर्ट प्रकाशित की है और कहा है कि असम देश में तेजी से बढ़ते राज्यों में एक है। हमारा लक्ष्य अगले दो साल में राष्ट्रीय अंक से आगे निकलना है।'' असम 2016 में एसडीजी सूचकांक में शामिल हुआ था और वह 49 अंक के साथ 'आकांक्षी' श्रेणी में था। राज्य ने अपनी रैंकिंग सुधारी और वह 2019 में 55 तथा 2020 में 57 अंक के साथ 'प्रदर्शनकारी' श्रेणी में पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''पहले असम भारत पर एक बोझ था लेकिन अब ऐसा नहीं है। हमने गरीबी उन्मूलन, स्वच्छ जल आपूर्ति, हरित ऊर्जा, आर्थिक वृद्धि, उद्योग, नवोन्मेष, बुनियादी ढांचे और संपोषणीय शहरों (के विकास में) अच्छा प्रदर्शन किया है।'' उन्होंने कहा कि 16.5 अंक के साथ उच्च शिक्षा क्षेत्र का खराब प्रदर्शन था और इसने राज्य की स्थिति पर नकारात्मक असर डाला। शर्मा ने कहा, ''नई योजनाओं के

साथ हमें आशा है कि सकल प्रवेश अनुपात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। हमें दो वर्षों के भीतर उच्च शिक्षा में 19 अंक प्राप्त करने की उम्मीद है।'' उत्तराखंड और केरल नीति आयोग के 2023-24 एसडीजी सूचकांक में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे हैं। आयोग सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण मापदंडों पर राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के कामकाज को परखता है। बिहार सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला राज्य रहा है।

असम के मुख्यमंत्री ने 41 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने सोमवार को 41 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले तीन वर्षों में 97,495 लोगों को नौकरी दी है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने औपचारिक रूप से उन्हें शिक्षा विभाग के नौकरी पत्र सौंपे। इन युवाओं को विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में चतुर्थ ग्रेड से लेकर कॉलेज शिक्षक तक के पदों पर नियुक्त किया गया।

उन्होंने नए भर्ती हुए युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, इन नियुक्तियों के साथ हमने तीन साल पहले कार्यभार संभालने के बाद से 97,495 लोगों को नौकरी दी है। हमें उम्मीद है कि हमारे कार्यकाल के अंत तक हम लगभग 1.5 लाख नौकरियां देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अपने कार्यकाल के दौरान एक लाख नौकरियां देने का चुनावी वादा पूरा करेगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2021 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान असम में हर साल एक लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन बाद में इसमें बदलाव करते हुए कहा कि यह आंकड़ा पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए था।

मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने कहा, 41 नए भर्ती किए गए लोगों में से कोई भी बाहरी नहीं है। वे सभी असमिया युवक हैं। जो लोग हमारी आलोचना करते हैं कि हम बाहरी लोगों की भर्ती कर रहे हैं वे नए कर्मचारियों के डीएनए की जांच कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि युवाओं की पारदर्शी तरीके से भर्ती होने के कारण वे अब उच्च शिक्षा का विकल्प चुन रहे हैं और पढ़ाई छोड़ने की दर कम हो रही है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

दोनों नेताओं में मुलाकात के दौरान क्या बात हुई, इस बारे में आधिकारिक तौर पर अभी तक कोई जानकारी दी गई है। हालांकि, सोरेन ने इसे शिष्टाचार मुलाकात करार दिया। मुलाकात की एक तस्वीर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए सोरेन ने लिखा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाक़ात हुई।'' झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किए जाने से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। जेल में करीब पांच महीने बिताने के बाद उन्हें जमानत मिल गई और रिहा होने के बाद वह चार जुलाई को फिर से मुख्यमंत्री बने।

बिहार के मुसलमानों में जोर पकड़ रही 'जन सुराज' की मुहिम : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि उनका 'जन सुराज' अभियान एक शक्तिशाली राजनीतिक विकल्प के रूप में लोकप्रिय हो रहा है, खासकर बिहार के मुसलमानों के बीच यह मुहिम जोर पकड़ रही है।

रविवार को हज भवन में एक समारोह को संबोधित करते हुए 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पीएसी) के संस्थापक किशोर ने इस बात पर जोर दिया कि उनका अभियान मुस्लिम समुदाय के भीतर मजबूत पकड़ बना रहा है, जिसका उद्देश्य 2025 के विधानसभा चुनाव में एक राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरना है। इस कार्यक्रम में राज्य के पूर्व मंत्री मोनाजिर हसन और जन सुराज समर्थित एमएलसी (विधान परिषद के सदस्य) अफाक अहमद सहित प्रमुख मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने भाग लिया तथा राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में अल्पसंख्यक समुदाय की भागीदारी पर अपने विचार साझा किए। राज्य में मुसलमानों के बीच सबसे पसंदीदा पार्टी माने जाने वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर कटाक्ष करते हुए किशोर ने सीधे तौर पर उनका नाम लिए बिना कहा, ''जबकि, दूसरे लोग लालटेन (राजद का चुनाव चिह्न) का आनंद ले रहे हैं, मुसलमानों को लालटेन के लिए ईंधन नहीं बनना चाहिए। उन्हें राजनीतिक बंधुआ मजदूर बनना बंद कर देना चाहिए और इसके बजाय महात्मा गांधी और बी.आर. आंबेडकर के आदर्शों में विश्वास रखने वाले हिंदुओं के साथ मिलकर अपने बच्चों के भविष्य के लिए मतदान करना चाहिए।''

राज्यपाल मानहानि मामला : ममता ने कहा- मेरी टिप्पणी में कुछ भी मानहानिकारक नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को अपने इस बयान पर दृढ़ता से कायम रहीं कि महिलाओं ने कोलकाता में राजभवन में जाने को लेकर भय जताया था।

ममता ने मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अन्य नेताओं के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे में एक अंतरिम आदेश के लिए राज्यपाल सी वी आनंद बोस की ओर से कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष दाखिल याचिका का विरोध भी किया। बोस ने अपने वकील के माध्यम से बनर्जी, दो नवनिर्वाचित विधायकों और टीएमसी की एक अन्य नेता को राजभवन में कथित घटनाओं के संबंध में आगे कोई टिप्पणी करने से रोकने का अनुरोध किया। इस पर बनर्जी

के वकील एस एन मुखर्जी ने न्यायमूर्ति कृष्ण राव के समक्ष दलील दी कि उनकी (ममता) टिप्पणी जनहित के मुद्दों पर एक निष्पक्ष टिप्पणी थी और मानहानिकारक नहीं थी। मुख्यमंत्री के अपने बयान पर कायम रहने की बात कहते हुए मुखर्जी ने दलील दी कि उन्होंने केवल राजभवन में कुछ कथित गतिविधियों पर महिलाओं की आशंकाओं को दोहराया था। मुखर्जी ने कहा कि वह हलफनामे में उन महिलाओं के नाम बताने को तैयार हैं, जिन्होंने ऐसी आशंका जाहिर की है। अंतरिम आदेश के अनुरोध पर न्यायमूर्ति राव की अदालत में बहस पूरी हो गई और इस पर आदेश बाद में दिया जाएगा।

त्रिपुरा हिंसा : आगजनी के कारण भागे 300 ग्रामीण अब तक नहीं लौटे हैं अपने घर

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के धलाई जिले में दो गुटों के बीच झड़प में 19 वर्षीय एक युवक की मौत के बाद हुई आगजनी के कारण भागे करीब 300 ग्रामीण अबतक अपने घर नहीं लौटे हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गंडाछिजा गांव में आगजनी से प्रभावित ग्रमीणों ने 12 जुलाई से ही राज्य की राजधानी अगरतला से करीब 110 किलोमीटर दूर राहत शिविरों में शरण ले रखी है। उन्होंने बताया कि धलाई जिले के जिलाधिकारी साजू वाहिद ने रविवार को प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें सुरक्षा एवं मुआवजा दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिलाया।

उप जिलाधिकारी (एसडीएम) चंद्रजॉय रियांग ने 'पीटीआई-भाषा' को टेलीफोन पर बताया, ''हमलावरों द्वारा कम से कम 40 घरों को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त किया गया और करीब 30 दुकानों में लूटपाट की गई। प्रभावित परिवार इस समय गंडाछिजा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शरण लिए हुए हैं। 12 जुलाई की रात हुई हिंसा में चार मोटरसाइकिल को भी आग के हवाले कर दिया गया। गंडाछिजा में हालात में सुधार हुआ है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।'' उन्होंने बताया कि आगजनी से प्रभावित करीब 80 परिवारों को मुआवजा देने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में टीम स्थानीय समिति के सदस्यों से बातचीत कर रही है ताकि बाजार को दोबारा खोला जा सके। अधिकारियों के मुताबिक, सात जुलाई को स्थानीय बाजार में दो गुटों के बीच हुई झड़प के कारण ग्रामीणों पर हमला किया गया।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए नीतीश को पूरी ताकत लगा देनी चाहिए : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर विशेष राज्य के दर्जे को लेकर सिर्फ बातें करने का आरोप लगाया और कहा कि वह वर्तमान समय में इस मांग को पूरा करवाने की स्थिति में हैं और इसे लेकर उन्हें पूरी ताकत झोंक देनी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर भी यही बात लागू होती है। बिहार सरकार के मंत्रियों ने रविवार को दावा किया कि नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) इंडिया इंडेक्स 2023-24 की नवीनतम रिपोर्ट ने केंद्र से अधिक वित्तीय सहायता की राज्य सरकार की मांग की पुष्टि की है। नीति आयोग ने 12 जुलाई को 'एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24' जारी किया। कुछ पैमानों पर स्थिति में सुधार के बावजूद इसमें बिहार सतत विकास का आकलन करने वाले 'एसडीजी इंडिया इंडेक्स' में सबसे निचले पायदान पर है।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''बिहार के वरिष्ठ मंत्री अब बोल रहे हैं कि नीति आयोग का ताज़ा विश्लेषण, राज्य को केंद्र की तरफ़ से मिलने वाली सहायता के मामले में विशेष राज्य के दर्ज़े समेत उनकी अन्य मांग को सही ठहराता है। अन्य फ़ायदों के अलावा, इसका मुख्य रूप से यह मतलब है कि ऐसी सहायता का 70 प्रतिशत ऋण के रूप में होने के बजाय, केवल 10 प्रतिशत होगा।'' उन्होंने सवाल किया कि मीडिया में बयान देने और पार्टी की बैठकों में प्रस्ताव पारित करने के बजाय बिहार के मुख्यमंत्री इस मांग को लेकर क्या कर रहे हैं? कांग्रेस महासचिव ने केंद्र सरकार को जनता दल (यूनाइटेड) के 12 लोकसभा सदस्यों के समर्थन की अहम भूमिका का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए दावा किया, ''नीतीश कुमार ने इसे लेकर किया कुछ नहीं है। वह अब तक सिर्फ़ बातें बनाते आ रहे हैं।''

पटना में पानी भरे गड्ढे में दो बच्चे मृत मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पटना में पानी भरे एक गड्ढे से सोमवार सुबह दो बच्चों के शव बरामद हुए। पुलिस ने यह जानकारी दी। दोनों बच्चों की पहचान का अबतक खुलासा नहीं किया गया है।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने बताया कि दोनों बच्चों के माता-पिता ने गर्दनीबाग पुलिस थाने में दी अपनी शिकायत में कहा है कि इन्हें आखिरी बार रविवार पूर्वाह्न 11 बजे देखा गया था। मिश्रा ने पत्रकारों से कहा, पुलिस ने बच्चों का पता लगाने के लिए तलाश अभियान चलाया। आखिरकार सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे बेउर इलाके में एक निर्माणाधीन पुल के पास पानी भरे गड्ढे में दोनों बच्चों के शव मिले। घटनास्थल पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा, शुरुआती जांच के आधार पर यह डूबने का मामला प्रतीत होता है। मिश्रा ने कहा कि जिलाधिकारी को सूचित कर दिया गया है और आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। उन्होंने मीडिया में आई उन असत्यापित खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि बच्चों के हाथ-पैर बंधे हुए थे।

प्रधानमंत्री ने तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा, रोजगार के मोर्चे पर स्थिति गंभीर: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने देश में आठ करोड़ नौकरियों के सृजन से संबंधित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने तथा ध्यान भटकाने का काम किया है, जबकि हकीकत यह है कि रोजगार के मोर्चे पर स्थिति गंभीर है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सरकार की तरफ से जिस रोज़गार वृद्धि का दावा किया जा रहा है उसमें महिलाओं द्वारा किए जाने वाले अवैतनिक घरेलू काम को भी रोज़गार के रूप में दर्ज़ किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत शनिवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन से चार वर्ष में देश में आठ करोड़ नई नौकरियां उपलब्ध हुईं जिसने बेरोजगारी के बारे में फर्जी बातें फैलाने वालों की बोलती बंद करा दी।

रमेश ने एक बयान में कहा, ''ऐसे समय में जब भारत गंभीर रूप से 'मोदी-मेड बेरोज़गारी' संकट का सामना कर रहा है, जब हर नौकरी के लिए लाखों युवा आवेदन कर रहे हैं, तब स्वयंभू नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने, ध्यान भटकाने और वास्तविकता से इंकार करने में लगे हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''आरबीआई के नए अनुमान के आधार पर सरकार जॉब मार्केट में तेज़ी का दावा कर रही है। स्व-नियुक्त परमात्मा के अवतार ने ख़ुद यह दावा किया है कि अर्थव्यवस्था ने आठ करोड़ नौकरियां पैदा की हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि रोज़गार के आंकड़ों में कथित वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में अर्थव्यवस्था की गंभीर वास्तविकताओं के अनुरूप नहीं है, जहां निजी निवेश कमज़ोर रहा है और उपभोग में वृद्धि बेहद सुस्त है। ''

रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार ने रोज़गार की गुणवत्ता और परिस्थितियों पर ध्यान दिए बिना, रोज़गार की बहुत विस्तृत परिभाषा अपनाकर, रोज़गार सृजन का दावा करने के लिए कुछ कलात्मक सांख्यिकीय बाज़ीगरी की है।

उनका कहना था, ''जो रोज़गार वृद्धि का दावा किया जा रहा है उसमें महिलाओं द्वारा किए जाने वाले अवैतनिक घरेलू काम को भी रोज़गार के रूप में दर्ज़ किया गया है। यह रोज़गार वृद्धि के दावे का एक बड़ा हिस्सा है, लेकिन इसमें कोई वेतन नहीं मिलता।''

कांग्रेस नेता के अनुसार, ख़राब आर्थिक माहौल के बीच, श्रम बाजार में वेतनभोगी, औपचारिक रोज़गार की हिस्सेदारी में कमी आई है तथा श्रमिक कम उत्पादकता वाली असंगठित और कृषि क्षेत्र की नौकरियों की ओर जा रहे हैं जो एक आर्थिक त्रासदी है।

उन्होंने कहा, ''आठ करोड़ नई नौकरी वाली सुर्खियों में नौकरियों की गुणवत्ता पर चर्चा उस तरह से नहीं हुई। लेकिन यह हास्यास्पद है कि सरकार इन कम उत्पादकता, कम वेतन वाली नौकरियों के 'सृजन' को एक उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है।''

रमेश ने दावा किया, ''आगामी बजट भी निस्संदेह अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर पेश करने के लिए आरबीआई डेटा का उपयोग करेगा। लेकिन, नौकरियों के मोर्चे पर वास्तविक हालात बेहद गंभीर है और यह बड़े पैमाने पर बेरोज़गारी और कम गुणवत्ता वाले रोज़गार दोनों के कारण है। अगले मंगलवार को बजट भाषण में इस दोहरी त्रासदी को निश्चित रूप से नज़रअंदाज़ किया जाएगा।''

बरेली में युवती का रात में हुआ अपहरण, सुबह मिला उसका शव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेली जिले के नवाबगंज क्षेत्र की रहने वाली युवती का रविवार रात कार सवारों ने कथित रूप से अपहरण कर लिया और सोमवार सुबह उसकी लाश सड़क किनारे खाई में भरे पानी से मिली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि रविवार रात को लक्ष्मी देवी (22) फुफेरी बहन के साथ स्कूटी से घर जा रही थी, तभी रास्ते में कार सवार उसे जबरन गाड़ी में बैठाकर ले गए। जिले के हाफिजगंज इलाके में युवती की हत्या कर दी गयी और सोमवार सुबह उसका शव फैजुल्लागंज लिंक रोड पर सड़क के किनारे खाई में भरे पानी से मिला। उसका गला और अंगुलियां भी कटी हुईं हैं। सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ अधिकारी भी मौके पहुंचे और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद घटना की गहनता से छानबीन की जा रही है। परिजनों के मुताबिक, रविवार रात में उन्होंने हाफिजगंज थाने में नवाबगंज क्षेत्र के मोनू गुप्ता व अन्य के खिलाफ तहरीर दी थी।

दिव्यांगों का 'मखौल' उड़ाने पर युवराज सिंह और तीन अन्य क्रिकेटर की पुलिस से शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में कथित तौर पर दिव्यांगों का 'मखौल' उड़ाने के मामले में पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, सुरेश रैना, युवराज सिंह और गुरकीरत मान के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

'नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉइमन्ट फॉर डिसएबल्ड' (एनसीपीईडीपी) के अध्यक्ष अरमान अली ने अमर कॉलोनी पुलिस थाना के प्रभारी से चारों क्रिकेटरों की शिकायत की है। इसके साथ ही उन्होंने मेटा इंडिया की उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संध्या देवनाथन के खिलाफ भी शिकायत की है। अली ने शिकायत में सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' का स्वामित्व रखने वाली

मेटा पर ऐसी सामग्री पोस्ट कर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि अमर कॉलोनी पुलिस थाना को शिकायत मिली है और उसे जिले के साइबर प्रकोष्ठ को आगे की जांच के लिए भेजा जाएगा। विश्वकप लीजेंड फाइनल में इंडिया चैंपियंस द्वारा पाकिस्तान चैंपियंस को पांच विकेट से हराने के बाद पूर्व खिलाड़ियों ने उक्त वीडियो सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर साझा किया था।

वीडियो में युवराज सिंह, हरभजन सिंह और रैना लंगड़ाते हुए और अपनी पीठ पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे पता चलता है कि मैच के कारण उनके शरीर पर कितना शारीरिक असर पड़ा है। वीडियो के साथ शीर्षक लिखा गया है, ''बॉडी की तौबा-तौबा हो गई है 15 दिनों के लीजेंड क्रिकेट में...शरीर का हर हिस्सा टूट रहा है। हमारे भाइयों विक्की कौशल और करण औजला को हमारे तौबा-तौबा गाने के संस्करण से सीधी चुनौती। क्या गाना है।''

दिव्यांग अधिकार कार्यकर्ताओं ने इस वीडियो को 'घटिया मजाक' बताया है।

शिकायत में कहा गया है कि इंस्टाग्राम अपने उपयोगकर्ता दिशानिर्देशों का पालन करने में विफल रहा, जिससे अपमानजनक सामग्री का प्रसार संभव हुआ।

अली ने शिकायत में कहा, ''यह वीडियो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का खुला उल्लंघन है, जो प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने का अधिकार देता है।'' उन्होंने कहा, ''यह दिव्यांगों के अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 92 का भी उल्लंघन करता है, और निपुण मल्होत्रा बनाम सोनी पिक्चर्स फिल्म्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (2004 एससीसी ऑनलाइन एससी 1639) के मामले में तय किए गए उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों का भी उल्लंघन करता है।''

उन्होंने अधिकारियों से घटना में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल और उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया तथा चर्चित हस्तियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर बल दिया, विशेषकर तब जब वे कमजोर समुदायों की गरिमा को ठेस पहुंचाते हों।

अली ने शिकायत दर्ज कराने के बाद 'पीटीआई-भाषा'से बातचीत में कहा कि इन क्रिकेटरों द्वारा सामान्य माफी मांगा जाना काफी नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''उन्हें उनके कृत्यों के लिए दंडित किया जाना चाहिए।''

भारतीय क्रिकेट में बहुत गहराई है लेकिन बदलाव धीरे-धीरे होना चाहिए : विक्रम राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निवर्तमान बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को पता है कि निकट भविष्य में बदलाव का मुश्किल दौर भारत का इंतजार कर रहा है लेकिन उपलब्ध प्रतिभावान खिलाड़ियों के साथ काम करने के बाद उनका मानना है कि टीम इससे निपटने में सक्षम है, बशर्ते यह 'नियंत्रित तरीके से और धीरे-धीरे' होना चाहिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा फिलहाल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे लेकिन अगले कुछ वर्षों में बदलाव का दौर आएगा जब ये अपने करियर के अंतिम चरण में होंगे।

पूर्व चयनकर्ता राठौड़ ने पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, ''रोहित और विराट की क्षमता के खिलाड़ियों की जगह लेना कभी आसान नहीं होता।'' उन्होंने कहा, ''हाल में (रविवार को) जिंबाब्वे के खिलाफ संपन्न शृंखला हमें संकेत देती है कि भविष्य में टी20 टीम कैसी दिखेगी। लेकिन टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उस बिंदू तक पहुंचने के लिए हमारे पास अब भी कुछ वर्ष हैं।'' राष्ट्रीय चयनकर्ता और राष्ट्रीय टीम के कोच दोनों की जिम्मेदारी निभा चुके राठौड़ भारतीय क्रिकेट टीम के प्रतिभा पूल को मजबूत मानते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इसे लेकर बहुत चिंतित नहीं हूं। हमारे पास भारतीय क्रिकेट में बहुत गहराई है। बहुत सारे प्रतिभाशाली और कुशल खिलाड़ी हैं जो सामने आ रहे हैं। हमें बस यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि बदलाव नियंत्रित तरीके से हो। इसे धीरे-धीरे करने की ज़रूरत है।'' राठौड़ को लगता है कि जब तक रोहित और कोहली सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे तब तक युवा सितारे अच्छी तरह से स्थापित हो जाएंगे जो अगले 10 वर्षों के लिए टीम का केंद्र बन जाएंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि तब तक शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी खुद को स्थापित कर लेंगे और बदलाव को आसान बना देंगे।'' राठौड़ ने कहा, ''एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में भी हमारे पास श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल और हार्दिक पंड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जो जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं।''

सुविचार

समझनी है जिंदगी तो पीछे देखो, अगर जीनी है जिंदगी तो आगे देखो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फिर वही गलती?

दुनिया में कई देश अतीत की ग़लती दोहरा देते हैं। पाकिस्तान ऐसा विचित्र देश है, जो अपनी ग़लती को बार-बार दोहराता है। इसकी सरकार ने अपने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान की पार्टी पीटीआई को दबाने की अपनी सबसे नई कोशिश में प्रतिबंध लगाने संबंधी जो घोषणा की है, वह इस पड़ोसी देश के विभाजन की पटकथा लिख सकती है। पीटीआई संस्थापक इमरान खान, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी और नेशनल असेंबली (एनए) के पूर्व उपाध्यक्ष कासिम सूरी के खिलाफ अनुच्छेद 6 के तहत कार्रवाई करने के फैसले से पाकिस्तान में एक बड़े तबके में आक्रोश फैलेगा। यह कोई राज़ की बात नहीं है कि उक्त फैसले की योजना रावलपिंडी में बनाई गई। सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने इमरान समेत समूची पीटीआई को सबक सिखाने का मन बना लिया है। वे वही ग़लती करने जा रहे हैं, जो कभी जनरल याह्या खान ने की थी। उन्होंने शेख मुजीबुर्रहमान को जेल में डालकर अवामी लीग को खत्म करने के लिए ऐसे ही कदम उठाए थे। उन पाबंदियों ने शेख मुजीबुर्रहमान का सियासी कद और बढ़ा दिया था। उनकी पार्टी खत्म होने के बजाय ज्यादा लोकप्रिय हो गई थी, क्योंकि उसे जनता से खूब सहानुभूति मिली थी। इन सबके नतीजे में लोगों का आक्रोश बुरी तरह फूटा और पाकिस्तान का विभाजन हो गया था। आज आज़ाद बांग्लादेश रावलपिंडी के शिकंजे से मुक्त होकर सांस ले रहा है। पाक सरकार का यह कदम इमरान को भी भरपूर सहानुभूति दिलाएगा। इससे उनके समर्थक जहां और एकजुट होंगे, वहीं अन्य लोगों को भी इमरान में ऐसा मसीहा नजर आएगा, जो 'लोकतंत्र को बचाने' के लिए लड़ रहा है।

हालांकि 'लोकतंत्र को बचाने' के लिए इमरान ख़ान का रिकॉर्ड कोई पाक-साफ नहीं है। वे खुद सेना के आशीर्वाद से राजनीति में आए थे। उन्हें नवाज शरीफ को 'नियंत्रित' करने के लिए सेना की ओर से आगे बढ़ाया गया था। उन्होंने लोकतंत्र के सिद्धांतों को कई बार ताक पर रखकर तानाशाहों जैसा व्यवहार किया था। इमरान जब तक प्रधानमंत्री रहे, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और शासन में कोई कमाल नहीं दिखा सके थे। 'तब्दीली' लाने के पीटीआई के वादे 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया' ही साबित हुए थे। लोकप्रियता रसातल में जा चुकी थी। इसे इमरान का दुर्भाग्य या सौभाग्य, जो भी कहें, सरकार गिरने और उनके जेल जाने से लोकप्रियता जरूर बढ़ गई है। पाक सरकार का यह कदम पीटीआई को नेशनल असेंबली में सबसे बड़ी पार्टी बनने से रोकने की कोशिश भी है। यह घोषणा आरक्षित सीटों के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा पार्टी को राहत दिए जाने के साथ-साथ इद्दत मामले में इमरान को राहत मिलने के तुरंत बाद की गई। यानी भविष्य में और राहत मिले, उससे पहले ही 'पर कतरने' की तैयारी है! इस्लामाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सूचना मंत्री अत्ता तरार का यह कहना कि 'अगर देश को आगे बढ़ना है तो वह पीटीआई के रहते ऐसा नहीं कर सकता', अत्यंत हास्यास्पद है। तरार यह क्यों भूल रहे हैं कि पाकिस्तान के लिए तो पीएमएल-एन, पीपीपी और अन्य पार्टियों के रहते भी 'आगे बढ़ने' की कोई संभावना नहीं है? जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देता रहेगा, सेना की तानाशाही चलती रहेगी, उसके आगे बढ़ने की संभावना शून्य ही है। हां, पाकिस्तान के भ्रष्ट सैन्य अधिकारी, उनके चहेते जरूर आगे बढ़ेंगे। वे यूएई, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा में आलीशान बंगले खरीदते रहेंगे। पिसेगी आम जनता, जिसके लिए अभी तो कोई राहत नहीं है।

ट्वीटर टॉक

भारतीय जनसंघ के वरिष्ठ नेता, कर्नाटक केसरी श्रद्धेय जगन्नाथ राव जोशी जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन। राष्ट्र व संगठन की सेवा के प्रति उनका समर्पण वंदनीय है। गोवा से परमिट राज समाप्त कर भारत का अभिन्न अंग बनाने हेतु उनके त्याग व संघर्ष को देश कभी भुला नहीं पाएगा।

-भजनलाल शर्मा

युवा किसी भी समाज की रीढ़ की हड्डी होती है। युवाशक्ति के देश भारत में कौशल विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है, अब भारतीय युवा रोजगार मांगेंगे नहीं, प्रदान करेंगे। अपने कौशल से देश की प्रगति में अनुकरणीय योगदान दे रहे सभी युवाओं को 'विश्व युवा कौशल दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की स्किल इंडिया और प्रधानमंत्री कौशल विकास जैसी योजनाओं का लाभ पाकर देश के करोड़ों युवा 'आत्मनिर्भर भारत' एवं 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' के संकल्प में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

विलास का दास

ईसा मसीह जैतून पहाड़ पर अकेले बैठे हुए थे। अचानक उनके कुछ शिष्य वहां पहुंचे। प्रश्न किया, 'समाज में अधर्म बढ़ता जा रहा है। स्वार्थ भावना पनप रही है। संसार का भविष्य क्या होगा?' ईसा मसीह ने कहा, 'वास्तव में मनुष्य स्वार्थ में अंधा होता जा रहा है। इससे एक-दूसरे पर आक्रमण करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। जगह-जगह अकाल पड़ेंगे और भूकंप आएंगे। अधर्म के पनपने से नए-नए 'मसीह' पैदा करने की होड़ भी बढ़ेगी। झूठे भविष्यवक्ता भ्रम फैलाते दिखाई देंगे। ऐसी स्थिति में तुम सबको सावधानीपूर्वक इन भ्रमों से दूर रहना चाहिए। जो अंत तक धीरज धरे रहेगा, अविचल रहेगा, वस्तुतः उसी का उद्धार होगा।' ईसा ने कहा, 'अंतिम समय में कठिन दिन आएंगे। मनुष्य स्वार्थी, लालची, डींगें हांकने वाला और अभिमानी बन जाएगा। वह असंयमी, विश्वासघाती और कृतघ्न बन जाएगा। परमेश्वर से प्रेम करना छोड़कर सुख-विलास का दास बन जाएगा। इसलिए ऐसे लोगों से दूर रहना।

सामयिक

हिंसा के लिए जनता को उकसाना कहां तक उचित ?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका में सर्वोच्च पद पर बैठे लोगों को निशाना बनाकर राजनीतिक हिंसा का इतिहास पुराना है। अब तक चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों की हत्या हो चुकी है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जब पेंसिलवेनिया में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे, तभी कम से कम पांच राउंड गोलियां चलीं। भीड़ के शोर के बीच ट्रंप अपना दाहिना कान ढंकते हुए जमीन पर लेट गए। फिर कुछ मिनट बाद सुरक्षाकर्मियों की घेराबंदी में ट्रंप खड़े हुए तो उनके दाहिने गाल पर खून की धार बहती दिख रही थी। ट्रंप खुशकिस्मत हैं जो बच गए।लोकतांत्रिक देश अमेरिका की तरह ही भारत में भी राजनीतिक हिंसा का इतिहास पुराना है। भारत ने भी समय-समय पर राजनीतिक हिंसा के शिकार हुए अनेक श्रेष्ठ, योग्य और अनुभवी लोगों को खोया है। भारत को स्वाधीन हुए अभी छह महीने भी पूरे नहीं हुए थे कि महात्मा गांधी की हत्या ने दुनिया को हिला दिया था।

इस एक हत्या के बाद जैसे भारत में भूचाल आ गया, उसके बाद कई लोग राजनीतिक रूप से शिकार बनाए गए। जिसकी की सूची बहुत लम्बी है। फिर भारत जब पाकिस्तान को युद्ध के मैदान में करारी शिकस्त देकर दुनिया के सामने अपनी ताकत का लोहा मनवा रहा था, तभी वह घटना घटी जिसने एक बार संपूर्ण देश में शोक की लहर दौड़ा दी थी। दरअसल, पाकिस्तान सेना ने भारत के चंबा सेक्टर पर हमला बोला, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने भारतीय सेना को पंजाब से मोर्चा खोलने का आदेश दे दिया। परिणाम यह हुआ कि भारतीय सेना ने सितंबर 1965 में लौहार तक के क्षेत्र को अपने आधीन कर लिया था, ऐसे में पाकिस्तान यूनाइटेड नेशंस के पास गुहार लगाने पहुंचा, जिसके बाद 23 सितंबर 1965 को यूएन के हस्तक्षेप के परिणाम स्वरूप भारत ने युद्धविराम की घोषणा कर दी थी और यहीं से एक नई कहानी ताशकंद की शुरुआत होती है। सोवियत संघ के तत्कालीन प्रधानमंत्री एलेक्सेई कोजिगिन ने दोनों देशों के बीच समझौते की पेशकश की थी। उन्हीं के कहने पर 10 जनवरी 1966 का दिन ताशकंद में समझौते के लिए तय किया गया और इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का 11 जनवरी की रात में रहस्यमयी परिस्थितियों में निधन हो गया। उजबेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में हुई उनकी मौत को लेकर कहा जाता है कि हार्ट अटैक से नहीं उन्हें जहर दिया गया था। उनकी मौत का रहस्य अभी भी बना हुआ है। किंतु शास्त्री की मौत ने भारत को अंदर तक हिला दिया था।

इस मौत के बाद वस्तुत: स्वाधीन भारत में हुई राजनीतिक हत्याओं में तीसरा सबसे बड़ा नाम इंदिरा गांधी का है। उन्होंने पंजाब में आतंकवाद खत्म करने के लिए ऑपरेशन ब्लूस्टार चलाया, जिसमें कि आतंक का नेतृत्व कर रहा भिंडरावाला मारा गया, लेकिन उसकी परिणति यह रही कि इंदिरा प्रियदर्शनी गांधी, भारत की तीसरी प्रधानमंत्री को 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री निवास में उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने गोलियां से छलनी कर दिया। इसके बाद देश के प्रधानमंत्री बने राजीव गांधी भी हत्या के शिकार हुए, उनकी हत्या के पीछे लिट्टे का हाथ होना सामने आया । इन अहम हत्याओं के साथ ही देश में कई चर्चित राजनीतिक हत्याएं होना समय-समय पर सामने आता रहा है, किंतु बात यहां जो शुरू हुई है, ट्रंप पर हुए हमले के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कनेक्शन की, तो इस बात की गंभीरता ऊपर वर्णित राजनीतिक हत्याओं और उसके लिए उकसानेवाले कारणों में खोजा जाना वर्तमान में अति आवश्यक हो गया है। वस्तुत: यह खोज हर उस स्तर पर आवश्यक है आखिर कैसे देश के सर्वोच्च पद पर बैठे किसी व्यक्ति की सुरक्षा में चूक की जा सकती है। सभी को वह दृश्य याद आता है, जिसके कि फुटेज तक मीडिया ने दिखाए कि किस तरह से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा को पंजाब में हल्के में लिया गया था । आखिर क्यों राहुल गांधी जो स्वयं आज एक जिम्मेदार पद पर बैठे हैं, वे प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आम जनता को हिंसा करने के लिए बार-बार उकसा रहे हैं।

ऐसे में उनसे यह जरूर पूछा जाना चाहिए कि यदि कोई अनहोनी होती है, तो क्या वे इसकी जिम्मेदारी स्वयं लेंगे? वस्तुत: भारतीय जनता पार्टी के सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्रंप पर हमले की गांधी द्वारा निंदा किए जाने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए आज सभी का ध्यान इस ओर दिलाया है, यह अच्छी बात है कि मालवीय ने इस मामले में सभी को पहले से ही आगाह किया है, यहां इनके कहे शब्दों की गंभीरता अब हम सभी को समझनी होगी। उन्होंने कहा, तीसरी बार फेल हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ हिंसा को अक्सर प्रोत्साहित किया है और उन्हें जायज ठहराया है। भारत कैसे भूल सकता है कि कांग्रेस के नेतृत्व में पंजाब पुलिस ने जानबूझकर प्रधानमंत्री की सुरक्षा से समझौता किया था, जब उनका काफिला एक फ्लाईओवर पर फंसा हुआ था।

अमित मालवीय ने राहुल गांधी के पूर्व के कुछ बयानों को जोड़कर तैयार किए गए एक वीडियो को साझा करते हुए यह भी बताया है कि राहुल गांधी ने मोदी के खिलाफ 'तानाशाह' जैसी बयानबाजी की है और ट्रंप के आलोचक डेमोक्रेट नेता और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन भी यही करते हैं। यानी कि जब नेता आम जनता को हिंसा के लिए उकसाते हैं, तो उसकी परिणति इसी प्रकार ट्रंप पर हुए हमले के रूप में होती है या भारत समेत दुनिया के किसी भी हिस्से में हुई राजनीतिक हत्या और हिंसा के रूप में सामने आती है। अमेरिका में भी आज यही सामने आ रहा है कि हत्या के प्रयास के बाद ट्रंप के कई समर्थकों ने यह महसूस किया है और वे यह खुलकर बोल भी रहे हैं कि उन (ट्रंप) के प्रतिद्वंद्वियों द्वारा उन्हें (ट्रम्प को) बदनाम किए जाने से उनके खिलाफ नफरत का माहौल पैदा हो गया है और यह नफरती माहौल पैदा किया जा रहा है, जिसका कि परिणाम गोलीबारी के रूप में अभी सब के सामने आया है। ट्रंप के विरोधियों (आलोचकों) ने तर्क दिया है कि लोकतंत्र (ट्रंप की वजह से) खतरे में है। यही भारत में आज प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ होता हुआ दिखाई देता है, यहां भी विपक्ष मोदी के खिलाफ 'संविधान खतरे में है' का नारा लगाकर एक झूठा नैरेटिव गढ़ने में लगा है। जिसके कि राहुल गांधी अगुवा हैं।

अमित मालवीय के शब्दों में कहें तो अमेरिका में नस्ल की तरह जाति को भारतीय समाज में दरार पैदा करने के लिए हथियार बनाया गया। विरोधियों को खलनायक की तरह पेश करना और उन्हें तानाशाह कहना भी संयोग नहीं है। वास्तव में, खतरनाक विचार वालों की टोली ने पहली बार लोकतांत्रिक रूप से चुने गए विश्व के शक्तिशाली नेताओं का वर्णन करने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया, जिन्हें वह नियंत्रित करने में विफल रहे (राजनीतिक रूप से)। राहुल गांधी ने भारत के चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप की मांग की थी।

इसी प्रकार की अनेक झूठी बातें प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ इंडी गठबंधन ने गढ़ी हैं। कहना होगा कि वर्तमान की वास्तविकता यही है कि भारतीय लोकतंत्र वैश्विक वाम दलों के हमले से बच गया और मोदी तीसरे कार्यकाल के लिए वापस आ गए, लेकिन चिंताएं अभी कम नहीं हुई हैं। आज राहुल गांधी जिस तरह से देश की जनता को झूठ बोलकर गुमराह कर रहे हैं और उनकी देखादेखी अन्य नेता भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर देश भर में भ्रम, झूठ और नफरत का माहौल खड़ा कर रहे हैं, यदि भविष्य में कुछ अनहोनी अमेरिका की तरह होती है तो उसके लिए आखिर जिम्मेदार किसे माना जाएगा? अब सोचना यह है कि आखिर राहुल गांधी की नफरत भरी राजनीति देश को किस ओर ले जा रही है? क्या ये नकारात्मकता देश के लिए सही है? (साभार हि.स.)

नजरिया

भारतीय परम्पराओं के अनुपालन से देश बढ़ रहा आगे

प्रह्लाद सबनानी

भारत में प्राचीन काल से पर्यावरण को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। देश में नदियां शुद्ध रहती थी वृक्ष घने जंगलों के रूप में रहते थे और पूरा पर्यावरण शुद्ध रहता था। पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर नदियों को, वृक्षों को, धरती को पूजा जाता है। पूरे पर्यावरण से परिवार का जुड़ाव धार्मिक रूप से रहता है। बहुत सारे व्रत और त्यौहार पर्यावरण से जुड़े हुए रहते हैं। इसलिए सनातन काल से भारत में पर्यावरण की चिंता रही है। जैविक विविधता ने भी भारत के सनातन काल को समृद्ध किया। पर्यावरण संरक्षण को उस समय में नैतिक कर्तव्य माना गया है।

भारत जो किसी वक्त में सोने की चिड़िया रहा है जिसका किसी वक्त में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान रहा है, उस भारत के गुलाम होने के बाद उसकी अर्थव्यवस्था को मुगलों ने एवं अंग्रेजों ने तहस-नहस किया है। भारत का सनातन चिंतन जितना अधिक शक्तिशाली था गुलामी के उस दौर में उस पर किए गए आक्रमण उसे कमजोर बनाने में कामयाब रहे। परंतु, अब समय आ गया है कि भारत के प्राचीन आर्थिक चिंतन को गंभीरता के साथ देखते हुए वर्तमान आर्थिक विकास की दृष्टि को उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहिए तभी जाकर आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत के वैभवकाल को पुनः प्राप्त किया जा सकेगा।

भारत में प्राचीन ऋषियों और मनीषियों की परंपरा एक गृहस्थ परंपरा रही है और उस गृहस्थ परंपरा में आध्यात्म के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन भी जुड़ा रहा है। अपने राज्य के ऋषियों के जीवन यापन की चिंता जहां राजा की प्राथमिकता में रहता था वहीं राजा को राज्य चलाने के लिए उचित मार्गदर्शन देने का सांस्कृतिक कार्य उन ऋषि-मुनियों द्वारा किया जाता था। इसलिए उन मनीषियों का चिंतन आर्थिक दिशा में भी सदैव बना रहता था। राजा अपने राज्य का विस्तार करने के साथ-साथ उसे आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध कैसे बनाएं इसके बारे में ऋषि-मुनियों के साथ बैठकर ही राज दरबार में चिंतन होता था और राज्य आर्थिक रूप से सशक्त बन जाते थे। इसलिए भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था।

प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों एवं धार्मिक पर्यटन का भारत के आर्थिक विकास पर पूर्ण प्रभाव रहा है। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों से अर्थव्यवस्था को बल मिलता रहा है इसलिए उस कालखंड में धार्मिक आयोजन निरंतर होते रहे हैं। भारत की ऋषि परंपरा ने जन सामान्य को उन सबके साथ जोड़ कर रखा था। त्यौहारों की निरंतरता और उन्हें मनाए जाने का उत्साह भारत की तत्कालीन अर्थव्यवस्था को गति देता रहा है। आज के वक्त में भी धार्मिक पर्यटन के चलते भारतीय पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। वर्तमान केंद्र सरकार के द्वारा भी पिछले 10 वर्षों में भारत में विभिन्न तीर्थस्थलों को विकसित किया जा रहा है। अभी तक जो तीर्थस्थल विकसित हो चुके हैं,वहां का पर्यटन एकदम से कई गुना बढ़ गया है। वहां की आर्थिक समृद्धि बढ़ गई है। वहां के लोगों का जीवन स्तर बढ़ गया है। वहां संपत्तियों के दाम बढ़ गए हैं। इसलिए इस दिशा में सरकार अब आगे और कार्य करने जा रही है तथा कई नवीन धार्मिक कारीडोर बनाने जा रही है,क्योंकि इससे रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न होंगे।

भारत की कुटुंब व्यवस्था अपने आप में एक अनूठी कुटुंब व्यवस्था है। भारत के संयुक्त परिवार विश्व के लिए आश्चर्य का विषय रहे हैं। इन दिनों संयुक्त परिवार विघटित अवश्य होते जा रहे हैं,लेकिन बावजूद उसके आपातकाल में एक दूसरे के लिए सबके एकत्र होने की जो जिजीविषा उन सबके भीतर है वह भारत में कुटुंब व्यवस्था का अनूठा स्वरूप है, तथा यह स्वरूप देश की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने का काम करता है। एक परिवार में दो हाथ कमाने जाते हों और वहीं दस हाथ कमाने जाते हों, दोनों बातों का फर्क होता है। इसलिए कुटुंब व्यवस्था में एक दूसरे के लिए आपस में खड़े होने का जो व्यवहार होता है,वह व्यवहार आर्थिक चिंतन के साथ भी जुड़ कर परिवार को आगे बढ़ाने का काम करता है।

भारत में प्राचीन काल से पर्यावरण को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। देश में नदियां शुद्ध रहती थी वृक्ष घने जंगलों के रूप में रहते थे और पूरा पर्यावरण शुद्ध रहता था। पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर नदियों को, वृक्षों को, धरती को पूजा जाता है। पूरे पर्यावरण से परिवार का जुड़ाव धार्मिक रूप से रहता है। बहुत सारे व्रत और त्यौहार पर्यावरण से जुड़े हुए रहते हैं। इसलिए सनातन काल से भारत में पर्यावरण की चिंता रही है। जैविक विविधता ने भी भारत के सनातन काल को समृद्ध किया। पर्यावरण संरक्षण को उस समय में नैतिक कर्तव्य माना गया है। बाद में जब मुगलों ने भारत में शासन किया और हिंदुओं का धर्मांतरण किया तो बहुत सारी परंपराएं भी खंडित होने लगी। सनातन काल में जिस गौ माता को पूजा जाता था मुस्लिम उस गौ माता को खाने लगे। मुस्लिम शासन काल भारत के पतन और विखंडन का समय था। उनके बाद जब इस देश में अंग्रेज आ गए तो उनकी निगाह में भारतीय अपरिपक्व और मूर्ख रहे इन दोनों के समय में, मुगलों ने और अंग्रेजों न भारत को दोनों हाथों से लूटकर खाली कर दिया। जो भारतीय अर्थव्यवस्था कभी विश्व की अर्थव्यवस्था का 33 प्रतिशत हिस्सा थी वह बहुत नीचे जा चुकी थी। पर्यावरण बिखरने लगा। नालंदा जैसे विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचाया गया। उसकी लाइब्रेरी को जला दिया गया। इस सब के पीछे भारत को ज्ञान के स्तर पर समाप्त करने की साजिश काम कर रही थी। मुस्लिम शासक हिंदुओं के धर्मांतरण पर, हिंदुओं को मारने पर और उनकी संपत्ति हड़पने पर काम कर रहे थे। ऐसा कहा जाता है कि औरंगजेब ब्राह्मणों को मारकर रोज सवा मन जनेऊ जलाता था। मंदिरों को नष्ट कर उन पर मस्जिदें बना दी गई। दक्षिण ने अपने आपको इस मुस्लिम आक्रमण से बहुत बचाया और इसीलिए भारत के दक्षिण भाग में आज भी समृद्ध मंदिर हैं,जो उस कालखंड के गौरव की प्रस्तुति के रूप में हमारे सामने खड़े हुए हैं। इसी कालखंड में भारत का भक्ति काल जरूर समृद्ध हुआ और उसने भारत के निवासियों को मानसिक ताकत प्रदान की। तुलसीदास की भक्ति के सामने अकबर जैसा आदमी डर गया और झुक गया।

भारत की आजादी की लड़ाई तो सफलतापूर्वक लड़ी गई परंतु एक दुष्परिणाम भारत विभाजन के रूप में भी सामने आया,जिसमे लाखों हिंदुओं का नरसंहार हुआ। आजादी के 70 वर्ष में भारत की वह आर्थिक उन्नति नहीं हो पाई जैसी कि अपेक्षा की गई थी। वर्ष 2014 में केंद्र में एक मजबूत सरकार ने शासन को संभाला। कठोर आर्थिक निर्णय लिए। जनता का भी उन्हें साथ मिला तथा लगभग 10 वर्ष के कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो गई। वर्तमान सरकार के समक्ष बहुत बड़ी बड़ी चुनौतियां हैं और आज भारत, बहुत सी विदेशी ताकतों एवं उनके षड्यंत्रों के साथ जूझ रहा है। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि जो संकल्प लेकर भारतीय परम्पराओं के अनुरूप सरकार काम कर रही है, उसमें भारत की अर्थव्यवस्था शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। यह इस अर्थव्यवस्था की ताकत है कि कोरोना खंडकाल में भारत ने अपने 80 करोड़ गरीब लोगों को निशुल्क अन्न उपलब्ध कराया तथा कोरोना की वैक्सीन भी समस्त नागरिकों को निशुल्क उपलब्ध कराई गई। भारत अब न सिर्फ सड़क निर्माण के क्षेत्र में बड़ा काम कर रहा है, अपितु वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। साफ सफाई, गरीबों के लिए मकान, गरीबों के लिए शौचालय जैसे छोटे-छोटे विषय भी सरकार की प्राथमिकता में हैं। सरकार किसानों का ध्यान रख रही है, किसानों को समृद्ध बना रही है और उद्योगों को भी नई दिशा प्रदान कर रही है, नए संसाधन प्रदान कर रही है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत है कि जब विश्व के अन्य देशों में मंदी की स्थिति बन रही है और वहां की अर्थव्यवस्था नीचे की ओर जा रही है तब भारत की अर्थव्यवस्था दिन-देश में कुटीर एवं लघु उद्योग के गौरवशाली दिन वापिस लाने हेतु निरंतर कई प्रयास किए जा रहे हैं। भारत का योग सारे विश्व के लिए मार्गदर्शक हो गया है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत के साथ अन्य राष्ट्र भी उन्नति करते जा रहे हैं। भारतीय नागरिक विदेशों में जाकर झंडे गाड़ रहे हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में भारतीयों का बहुत बड़ा योगदान है। प्रवासी भारतीय कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारतीयों का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में प्रवासी भारतीय भी अपना योगदान कर रहे हैं। विश्व के कई देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की बढ़ती संख्या एवं भारतीय सनातन दर्शन का प्रसार विदेशों में हो रहा है। भारत की तरह वहां पर भी मंदिरों का निर्माण हो रहा है। भारत की साधना पद्धति वहां स्वीकार की जाने लगी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

उद्घाटन

संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित वर्ल्ड हेरिटेज यंग प्रोफेशनल्स फोरम 2024 के दौरान दीप प्रज्वलित करते हुए।

पाकिस्तान में सैन्य प्रतिष्ठान के पास दो समन्वित आत्मघाती हमलों में आठ नागरिक घायल

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में एक सैन्य प्रतिष्ठान की बाहरी दीवार के पास सोमवार तड़के एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को धमाका कर उड़ा दिया। साथ ही उसके एक साथी ने अपनी जैकेट में विस्फोट कर दिया, जिससे आठ नागरिक घायल हो गए और आसपास के घरों को नुकसान पहुंचा। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ताहिर खान ने बताया कि हमलावरों ने बन्नू शहर स्थित सेना के कार्यालय और सुरक्षाबलों के आवास में घुसने के प्रयास में यह हमला किया था, हालांकि सुरक्षाबलों ने इस 'समन्वित हमले' में तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावरों के प्रयास को विफल कर दिया। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए इलाके में तलाश-अभियान शुरू कर दिया है और हेलीकॉप्टर के जरिए इलाके में निगरानी की जा रही है।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में कई जवान भी घायल हुए हैं। सरकार या सेना ने इस हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। बन्नू अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्तवा प्रांत में है और हाल के वर्षों में इस प्रांत में आतंकवादी हमलों में वृद्धि हुई है। जनवरी 2023 में एक आत्मघाती हमलावर ने पुलिसकर्मी के वेश में उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर की एक मस्जिद पर हमला किया था, जिसमें 101 लोग मारे गए थे। मृतकों में ज्यादातर पुलिस अधिकारी थे। अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन संदेह है कि पाकिस्तानी तालिबान इस हमले के लिए जिम्मेदार है।

'संभावित गृहयुद्ध से एक इंच दूर' ट्रम्प पर असफल हमला अमेरिकी लोकतंत्र बाल-बाल बचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोस्टन। पेंसिल्वेनिया में एक रैली में डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या के प्रयास के साथ, अमेरिका ने अपनी तेजी से ध्रुवीकृत राजनीति में एक और हिंसक घटना का अनुभव किया। पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प, जो औपचारिक रूप से 2024 के चुनाव में राष्ट्रपति पद के लिए जीओपी के उम्मीदवार बनने वाले हैं, हत्या के प्रयास में बच गए, जब प्रारंभिक खबरों में कहा गया, एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई।

कन्वरसेशन की राजनीतिक संपादक, नाओमी शालिट ने कार्यक्रम के बाद मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, लोवेल के विद्वान एरी पेर्लिगर से बात की। पेर्लिगर ने राजनीतिक हिंसा और हत्याओं के अपने अध्ययन से अंतर्दृष्टि प्रदान की। अमेरिका में गंभीर राजनीतिक ध्रुवीकरण को देखते हुए, पेर्लिगर ने कहा, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि अंततः लोग हिंसा में शामिल हो जाते हैं।

शालिट: जब आपने समाचार सुना, तो सबसे पहले आपने क्या सोचा?

पेर्लिगर: पहली बात जो मेरे जहन में आई, वो यह थी कि हम दरअसल एक संभावित गृह युद्ध से सिर्फ एक इंच दूर थे। मुझे लगता है कि अगर, वास्तव में, डोनाल्ड ट्रम्प को आज घातक चोट लगी होतीं, तो हमने अब तक जितनी हिंसा देखी है, वह अगले कुछ महीनों में होने वाली घटनाओं की तुलना में कुछ भी नहीं होता। मुझे लगता है कि इससे क्रोध, हताशा, आक्रोश, शत्रुता का एक नया स्तर सामने आता जो हमने अमेरिका में कई वर्षों से नहीं देखा है। यह हत्या का प्रयास, कम से कम इस प्रारंभिक चरण में, कई ट्रम्प समर्थकों और धुर दक्षिणपंथ के कई लोगों के बीच एक मजबूत भावना को मान्य कर सकता है कि उन्हें अवैध ठहराया जा रहा है, कि वे बचाव की मुद्रा में हैं और ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं कि उन्हें राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने से और ट्रम्प को व्हाइट हाउस लौटने से रोका जा सके।

राजनीतिक हत्या के प्रयासों का उद्देश्य केवल किसी की हत्या करना नहीं है। उनका लक्ष्य बड़ा है, है ना?

कई मायनों में, हत्या के प्रयास राजनीतिक विरोधियों को नीचा दिखाने और हराने की लंबी प्रक्रिया को दरकिनार कर देते हैं, जब ऐसी भावना होती है कि एक लंबा राजनीतिक संघर्ष भी पर्याप्त नहीं होगा। कई अपराधी हत्याओं को एक उपकरण के रूप में देखते हैं जो उन्हें अपने राजनीतिक उद्देश्यों को बहुत जल्दी, बहुत प्रभावी तरीके से प्राप्त करने की अनुमति देगा जिसके लिए बहुत सारे संसाधनों या बहुत सारे संगठन की आवश्यकता नहीं होती है। अगर हम इसे आज जो देखा है उससे जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो मुझे लगता है कि कई लोग ट्रम्प को एक यूनिकॉर्न के रूप में देखते हैं, एक अद्वितीय इकाई के रूप में, जिसने कई मायनों में वास्तव में पूरे रूढ़िवादी आंदोलन को निगल लिया। इसलिए उसे हटाकर, यह समझ में आता है कि इससे समस्या का समाधान हो जाएगा या हो सकता है।

मुझे लगता है कि रूढ़िवादी आंदोलन 2016 के बाद से नाटकीय रूप से बदल गया है, जब ट्रम्प पहली बार चुने गए थे, और ट्रम्पवाद की कई विशेषताएं वास्तव में अब रूढ़िवादी आंदोलन के विभिन्न हिस्सों में काफी लोकप्रिय हैं। इसलिए भले ही ट्रम्प किसी बिंदु पर सेवानिवृत्त होने का फैसला करेंगे, मुझे नहीं लगता कि ट्रम्पवाद - लोकलुभावन विचारों के एक सेट के रूप में - जीओपी से गायब हो जाएगा। लेकिन मैं निश्चित रूप से समझ सकता हूं कि जो लोग इसे खतरे के रूप में देखते हैं उन्हें ऐसा क्यों लगेगा कि ट्रम्प को हटाने से सभी समस्याएं हल हो सकती हैं। राजनीतिक हत्या के कारणों और प्रभावों के एक अध्ययन में, आपने लिखा है कि जब तक चुनावी प्रक्रियाएँ सबसे तीव्र राजनीतिक शिकायतों को संबोधित नहीं कर सकतीं... तब तक चुनावी प्रतिस्पर्धा राजनीतिक हस्तियों की हत्याओं सहित और अधिक हिंसा भड़काने की क्षमता रखती है। क्या आपने हत्या के इस प्रयास में यही देखा? यदि विभिन्न दल, विभिन्न आंदोलन, कुछ मुद्दों पर एक साथ काम करने के इच्छुक नहीं हैं तो लोकतंत्र काम नहीं कर सकता। लोकतंत्र तब काम करता है जब कई समूह बातचीत के माध्यम से किसी प्रकार की आम सहमति तक पहुंचने, सहयोग करने और सहयोग करने के इच्छुक होते हैं।

प्रशांत महासागर में स्थित द्वीप 'बड़े महासागरीय देश' हैं :जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत प्रशांत द्वीप समूह के विकास के प्रयासों का समर्थन करना अपनी जिम्मेदारी मानता है।

जयशंकर ने एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि प्रशांत क्षेत्र के द्वीप ''छोटे द्वीप'' नहीं हैं, बल्कि ''बड़े महासागरीय देश'' हैं और भारत को उनका भागीदार बनने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा, ''हम सतत विकास की तलाश में प्रशांत द्वीप समूह का समर्थन करना अपनी जिम्मेदारी मानते हैं। जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएं, गरीबी उन्मूलन और स्वास्थ्य सेवा आम चुनौतियां हैं जिनसे हमें मिलकर निपटने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''भारत अपने हिंद-प्रशांत साझेदारों के साथ और अधिक काम करने के लिए हमेशा तैयार हैं।'' जयशंकर ने डिजिटल माध्यम से हुए एक कार्यक्रम में ये टिप्पणियां कीं। इस कार्यक्रम में भारत ने मार्शल द्वीप में चार सामुदायिक विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि इन परियोजनाओं में ऐलुक एटोल में एक सामुदायिक खेल केंद्र, मेजित द्वीप पर हवाई अड्डा टर्मिनल, अर्नो और वोट्जे एटोल में सामुदायिक केंद्र शामिल हैं। ये निश्चित रूप से मार्शल द्वीप के लोगों को बेहतर बुनियादी ढांचा प्रदान करेंगे।''

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और मार्शल द्वीप गणराज्य के बीच मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का एक लंबा इतिहास है, जिसका पिछले कुछ वर्षों में भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग मंच (एफआईपीआईसी) के तत्वाधान में विस्तार हुआ है।

एफआईपीआईसी भारत और प्रशांत द्वीप देशों के बीच सहयोग के लिए एकजयशंकर ने तीसरे एफआईपीआईसी शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रशांत द्वीप समूह के लिए भारत की ''ठोस'' प्रतिबद्धताओं की घोषणा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें हासिल करने की दिशा में प्रगति देखकर खुश हूं। हम मार्शल द्वीप गणराज्य के लिए विलवणीकरण (पानी से नमक और अन्य खनिजों को अलग करने वाली) इकाइयों और डायलिसिस मशीनों के संबंध में प्रस्तावों पर भी काम कर रहे हैं।''

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत प्रशांत द्वीप देशों की प्राथमिकताओं और जरूरतों को पहचानता है। उन्होंने कहा, ''स्वास्थ्य देखभाल और संबंधित बुनियादी ढांचे, गुणवत्ता और सस्ती दवाएं, अच्छी जीवन शैली, उत्कृष्टता केंद्र, शिक्षा और क्षमता निर्माण, लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र का विकास, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ जल सुविधाएं - ये सभी हमारे सहयोग के कुछ मुख्य क्षेत्र हैं।''

'स्त्री-2' का ट्रेलर सिनेमाघरों में रिलीज होगा

मुंबई/एजेन्सी

हॉरर-कॉमेडी सीक्वल स्त्री 2 का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार इस गुरुवार, 18 जुलाई को रिलीज़ हो रहा है। इस फ़िल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी की वापसी हो रही है। यह खबर एक अतिरिक्त सौगात के साथ आई है - ट्रेलर विक्की कौशल, त्रिपती डिमरी और एमी विर्क की आगामी फ़िल्म बैड न्यूज़ से जोड़ा जाएगा, जो जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। 2018 की फ़िल्म स्त्री ने दर्शकों को चौंका दिया, जिसमें डर और हास्य का एक शानदार मिश्रण था। एक छोटे से शहर में सेट की गई इस फ़िल्म में एक प्रतिशोधी आत्मा का वास है जिसे सिर्फ़ स्त्री के नाम से जाना जाता है, इस फ़िल्म में श्रद्धा कपूर ने स्त्री नाम की एक दर्जी की भूमिका निभाई थी जो शहर के खौफनाक रहस्य को उजागर करती है। राजकुमार राव ने उसके प्रेमी की भूमिका निभाई, जो रहस्य में फंस जाता है, जबकि पंकज त्रिपाठी ने स्थानीय भविष्यवक्ता की भूमिका में यादगार अभिनय किया। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म स्लीपर हिट साबित हुई, जिसने अपनी अनूठी शैलियों के मिश्रण से दर्शकों को आकर्षित किया।

प्रशंसकों की उत्सुकता को और बढ़ाने के लिए, स्त्री 2 का टीज़र जून 2024 में रिलीज़ किया गया था। इसमें मूल पात्रों को एक और डरावने साहसिक कार्य पर निकलते हुए दिखाया गया था, जो चंदेरी शहर को राक्षसी घटनाओं की एक नई लहर से बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित थे। इस बार चंदेरी में आज़ादी के दिन होंगे आतंक! टैगलाइन के साथ, टीज़र एक रोमांचक अनुभव का वादा करता है। इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, ऐसी अफवाहें हैं कि स्त्री 2 में अक्षय कुमार कैमियो करते हुए नज़र आएंगे। दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित, यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। हालांकि, इसे जॉन अब्राहम की वेदा और अक्षय कुमार की अपनी फिल्म खेल खेल में से कड़ी टक्कर मिल रही है। इस बीच, आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित, बैड न्यूज़ एक अनोखे ट्विस्ट के साथ एक मज़ेदार रोमांटिक कॉमेडी होने का वादा करती है। हाल ही में रिलीज़ हुए ट्रेलर में फिल्म की अनोखी कहानी पेश की गई है: डिमरी के किरदार को पता चलता है कि वह जुड़वा बच्चों की माँ बनने वाली है, जिसमें कौशल और एमी विर्क अप्रत्याशित पिता की भूमिका निभा रहे हैं।

रवि तेजा के साथ काम करेंगी उर्वशी रौतेला

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री उर्वशी रौतेला, दक्षिण भारतीय अभिनेता रवि तेजा के साथ फिल्म 'प्रजाला मनीषी' में काम करती नजर आ सकती हैं। 'प्रजाला मनीषी' एक हाई-वोल्टेज मास एक्शन एंटरटेनर फिल्म होगी।प्रोडक्शन हाउस, पीपल मीडिया फैक्ट्री, इस प्रोजेक्ट का निर्माण करेगा। यह फिल्म एक दमदार मास एंटरटेनर होगी। इस फिल्म में रवि तेजा ,उर्वशी रौतेला और डिंपल हयाती मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म प्रजाला मनीषी को बहुत बड़े बजट में बनाया जाएगा। रवि तेजा, हरीश शंकर की 'मिस्टर बच्चन' और भानु भोगवरपु द्वारा निर्देशित 'अपनी अनाम' 75वीं फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। वे इस साल इन दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी कर लेंगे। इसके बाद अगले साल फिल्म 'प्रजाला मनीषी' की शूटिंग शुरू होगी।

मैं एक्शन, ड्रामा, कॉमेडी हर तरह की भूमिकाएं करना चाहूंगी : तृप्ति डिमरी

मुंबई/एजेन्सी

वर्ष 2017 में 'पोस्टर बॉयज' से डेब्यू करने वाली नेशनल क्रश तृप्ति डिमरी जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'बैड न्यूज' में नजर आने वाली हैं। अब तक ड्रामा फिल्में करने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें शुरू से ही कॉमेडी रोल मुश्किल लगते थे, लेकिन उनका मानना है कि एक कलाकार के तौर पर भूमिकाओं में विविधता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तृप्ति डिमरी ने कहा, मैंने हमेशा से ही ड्रामा फिल्मों में काम किया है, लेकिन मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर अलग-अलग चीजें करते रहना और खुद को चुनौती देते रहना बहुत जरूरी है। मुझे कॉमेडी शुरू से ही थोड़ी मुश्किल लगती है। 'लैला मजनू' की एक्ट्रेस ने कहा, इसलिए, एक तरह से, यह मेरे लिए वाकई अच्छा रहा। एक्ट्रेस ने 2018 में 'लव पर स्क्वायर फुट' से निर्देशन की शुरुआत करने वाले निर्देशक आनंद तिवारी का शुक्रिया अदा किया एक्ट्रेस ने कहा, मैं आनंद सर को दिल से शुक्रिया कहना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे यह मौका दिया। शायद आपने मुझे पहले उस स्तर की कॉमेडी करते हुए नहीं देखा होगा।

मेरे महबूब मेरे सनम में विक्की कौशल के साथ तृप्ती की शानदार केमिस्ट्री

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म बैड न्यूज के गाना मेरे महबूब मेरे सनम में विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ त्रिप्ती डिमरी की शानदार केमिस्ट्री नजर आ रकी है। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों सुर्खियां बटोर रही हैं। 'एनिमल' के बाद विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ 'बैड न्यूज़' में उन्हें वापस स्क्रीन पर देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं। फिल्म के पिछले दो गानों तौबा तौबा और जानम में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने के बाद, मेरे मेहबूब मेरे सनम' गाने में तृप्ति डिमरी बॉलीवुड हीरोइन की तरह दिख रही हैं।इस गाने में त्रिप्ती की खूबसूरती ने सभी को खुश कर दिया है। चाहे वह नीली गाउन में हो, लाल गुजराती कपड़ों में हो, समुद्र किनारे के कपड़ों में हो, या शेफ की ड्रेस में, त्रिप्ती हर रूप में बहुत सुंदर लग रही

हैं। विक्की कौशल के साथ उनकी जोड़ी काफी हॉट दिख रही है, वहीं एमी विर्क के साथ उनकी जोड़ी बहुत प्यारी है। विक्की कौशल और त्रिप्ती डिमरी की फिल्म बैड न्यूज़ का तीसरा गाना, मेरे मेहबूब मेरे सनम, फिल्म डुप्लिकेट के मशहूर गाने का नया संस्करण है। त्रिप्ती की आने वाली फिल्मों में विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो और भूल भुलैया 3 शामिल हैं।

'कल्कि' की कमाई 1000 करोड़ पर नाग अश्विन की प्रतिक्रिया, हमने इसे खून, हिंसा, अश्लीलता के बिना हासिल किया

मुंबई/एजेन्सी

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी साइंस-फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 -ऊ ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है! फिल्म ने आधिकारिक तौर पर दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है, जिससे यह मेगा-हिट के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रही है। इस रोमांचक खबर के बाद, निर्देशक नाग अश्विन ने सोशल मीडिया पर दिल से आभार व्यक्त किया।

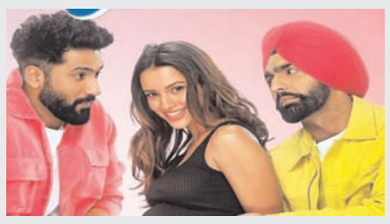

उनकी पोस्ट, जिसे बाद में हटा दिया गया, ने टीम के रचनात्मक दृष्टिकोण को उजागर करते हुए फिल्म की सफलता का जश्न मनाया। यह मील का पत्थर...यह संख्या...हमारे जैसी युवा टीम के लिए स्पष्ट रूप से बहुत बड़ी है... अश्विन ने लिखा, लेकिन यह तथ्य कि हमने इसे खून-खराबे, हिंसा, अश्लीलता, उत्तेजक या शोषणकारी सामग्री के बिना हासिल किया, बहुत मायने रखता है... जबकि अश्विन के संदेश का उद्देश्य निस्संदेह कल्कि 2898 ई. की अनूठी कहानी पर जोर देना था, कुछ नेटिज़ेंस ने उनके शब्दों को एक अन्य आगामी परियोजना - संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म, एनिमल पर एक सूक्ष्म कटाक्ष के रूप में व्याख्या किया।

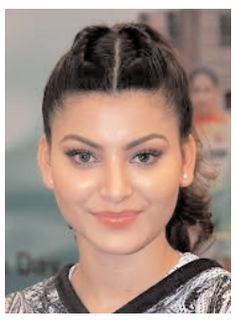

इसने ऑनलाइन चर्चा को जन्म दिया, कुछ दर्शकों ने सुझाव दिया कि अश्विन की पोस्ट दो फिल्मों के बीच एक छिपी हुई तुलना थी। एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, Kalki28989D के निर्देशक नाग अश्विन ने संदीप रेड्डी वंगा की एनिमल फिल्म पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया, देखते हैं कि वंगा इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। एक अन्य उपयोगकर्ता ने कल्कि 2898 -ऊ की स्टार पावर की ओर इशारा करते हुए कहा, बजट एनिमल से 4 गुना ज़्यादा है और इसमें अमिताभ, कमल हसन, दीपिका पादुकोण, दुलकर सलमान आदि जैसे कलाकार हैं और खुद की तुलना वंगा से कर रहे हैं जिन्होंने सिर्फ़ संगीत और स्क्रीनप्ले और रणबीर कपूर के साथ ब्लॉकबस्टर फ़िल्म बनाई। परसरीहुळप7 शपर्वीर्झी रूर ऊरिीळीप (आप तुलना क्यों कर रहे हैं) यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि हटाए गए पोस्ट को अक्सर गलत तरीके से समझा जा सकता है, और अश्विन के मूल संदेश का उद्देश्य प्रतिद्वंद्विता पैदा करना नहीं हो सकता है। कल्कि 2898 -ऊ में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार हैं। फिल्म में मृणाल ठाकुर, दुलकर सलमान, विजय देवरकोंडा, एस.एस. राजामौली और राम गोपाल वर्मा के रोमांचक कैमियो भी हैं।

शुभावी चोकसी ने 'दिल को तुमसे प्यार हुआ' में अपने किरदार का किया खुलासा

मुंबई/एजेन्सी

'दिल को तुमसे प्यार हुआ' में एक्ट्रेस शुभावी चोकसी खास किरदार में नजर आएंगी। वह चिराग की मां लावण्या मित्तल की भूमिका निभाएंगी। एक्ट्रेस ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। शुभावी ने कहा, मेरा किरदार लावण्या एक अलग जगह से है, जहां वह अपने किरदार के अनुभवों के चलते बाहरी दिखावे को महत्व देती है। मैं शो की लावण्या के बिल्कुल अलग हूं।'' उन्होंने कहा, हमारे कलाकार, क्रू और क्रिएटिव टीम शो 'दिल को तुमसे प्यार हुआ' की कहानी में प्रामाणिकता लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

'दिल को तुमसे प्यार हुआ' में अदिति त्रिपाठी (दीपिका) और अक्षित सुखिजा (चिराग) मुख्य भूमिकाओं में हैं। राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो दीपिका और चिराग की कहानी है, जो अलग-अलग बैकग्राउंड से आते हैं, लेकिन उनकी सोच और जिंदगी को देखने का नजरिया एक जैसा है। प्रोमो में अदिति त्रिपाठी (दीपिका), अक्षित सुखिजा (चिराग) और उर्वशी परदेशी (जाह्नवी) को दिखाया गया है। दीपिका की सौतेली मां और सौतेली बहन उसके साथ बुरा बर्ताव करती हैं। इस बीच उसकी मुलाकात एक रक्तदान शिविर में चिराग से होती है, जो पेशे से डॉक्टर है।

रक्तदान शिविर में दीपिका की दयालुता को देख चिराग उसे पसंद करने लगता है। बाद में चिराग का परिवार जान्हवी के लिए शादी का प्रस्ताव लेकर उनके घर जाता है, जहां चिराग जान्हवी के बजाय दीपिका से शादी करने की बात कहता है, जिसे सुन सभी हैरान रह जाते हैं। 'दिल को तुमसे प्यार हुआ' स्टार प्लस पर 15 जुलाई से शाम 7 बजे प्रसारित होगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो शुभावी को 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'जस्सी जैसी कोई नहीं', 'कहानी घर घर की', 'कसौटी जिंदगी की', 'बड़े अच्छे लगते हैं 2', 'तुझ संग प्रीत लगाई' और अन्य शो में उनके काम के लिए जाना जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 16-07-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीवन अनिश्चितताओं से भरा लंबा यात्रा-पथ है। यहां किसी के जीवन में कुछ भी घटित हो सकता है। हमारे मन का सोचा हुआ सब सार्थक होगा, यह मानकर चलना बहुत बड़ी भूल है। इसीलिए अच्छे अवसरों का लाभ उठाने का भरपूर प्रयत्न करना चाहिये। जीवन की सफलता का यही मूलमंत्र है। अक्सर देखा जाता है कि लक्ष्मीदेवी तिलक करने द्वार पर आयी और मनुष्य मुंह धोने के लिए चला गया। जब वह वापस लौटा, तब तक लक्ष्मी विदा हो चुकी थी। नीति और धर्मशास्त्रों ने इसे निपट मूर्खता कहा है।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए धर्म में आगे बढ़ना जरूरी है : युवाचार्य महेंद्रऋषि

युवाचार्यश्री के चातुर्मास मंगल प्रवेश में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के तत्वावधान में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषिजी महाराज एवं उपप्रवर्तिनी साध्वी कंचनकंवरजी का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश सोमवार प्रातः एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में हुआ।

प्रवेश से पूर्व प्रिंस कोर्टयार्ड से शोभायात्रा निकाली गई जिसमें 2000 श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। शोभायात्रा में श्वेत वेशभूषा और साफे से सुसज्जित श्रावकगण, सिर पर कलश धारण किए श्राविकाएं, जैन धर्म के झंडे लहराते और जय-जयकार करता युवा वर्ग, मंगल गान करती महिलाएं, हाथों में जैन सिद्धांत लिखे तख्तियां लहराते बच्चे और हंस की चाल से गतिमान साधु- साध्वी वृंद शोभायमान हो रहे थे। आडंबररहित, सादगी भरी इस शोभायात्रा की गूंज चारों ओर हो उठी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि चेन्नई जैन समाज एक नई राह पर मुकम्मल चलने का मानस बनाने का शुभारंभ कर चुका है। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के प्रवेशद्वार पर कलश लिए श्राविकाओं ने युवाचार्यश्री को बधाया। तत्पश्चात धर्मसभा का आयोजन हुआ। महिला महासंघ की सदस्याओं ने भाव भरा स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर युवाचार्यश्री ने मंगलमय प्रवेश में साथ देने की अनुमोदना करते हुए कहा कि आपकी भक्ति संपूर्ण चातुर्मास आराधना का संबल बनेगी। जैसे जहाज को दीप स्तंभ दिशा बताता है, वैसे ही जिनवाणी हमें जीवन की दिशा बताती है। उन्होंने कहा प्रवेश का अर्थ है प्रारंभ। यह प्रवेश एक शुरुआत है। यह हमारे जीवन में सकारात्मकता का प्रवेश है। जीवन में नकारात्मकता और चिंता का प्रवेश न हो। उन्होंने कहा चिंताएं वास्तविक कम होती है, काल्पनिक ज्यादा। उस वास्तविकता का भान कराने वाली जिनवाणी है। हम परमात्मा के दिए ज्ञान के मूल रुप का दर्शन करें। उन्होंने कहा यदि बच्चों को समाज व धर्म से जोड़ना है तो उन्हें यहां आने हेतु प्रोत्साहित करें। बच्चे यहां आकर चार बातें सीखते हैं, आनंद का अनुभव करते हैं तो यह चातुर्मास की सफलता होगी। हम चाहते हैं बच्चे, युवा, बुजुर्ग, महिलाएं सभी जिनवाणी से जुड़े। उन्होंने कहा जीवन में आगे बढ़ने के लिए धर्म में आगे बढ़ना जरूरी है। महासती अणिमा श्रीजी ने कहा चातुर्मास सहज में नहीं मिलता है, प्रबल पुण्य से ही यह संभव है। महासती कंचनकंवरजी ने कहा कि जिस प्रकार अंधे व्यक्ति को आंखें मिल जाए तो उसके आनंद की सीमा नहीं रहती है, उसी तरह चेन्नई को यह चातुर्मास मिला है, महासंघ को इससे अपार आनंद की अनुभूति हुई है। युवाचार्यश्री सत्य, संयम, त्याग की निधि लुटाने आए हैं।

महासंघ के संयोजक महावीरचंद रांका ने स्वागत भाषण में कहा कि चेन्नई में धर्म की गंगा बहाने के लिए मैं और मेरी टीम इस चातुर्मास को आध्यात्मिकता के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। महासंघ के चेयरमैन अभय श्रीश्रीमाल ने कहा कि युवाचार्यश्री के पास स्वाध्याय का बल और ऊर्जा का भंडार है। चातुर्मास को प्रभावक बनाने के लिए महासंघ ने लीड ली है। हमें विश्वास है एक दीपक से लाखों दीपक को जगमगाया जा सकता है। चातुर्मास जीवन के रुपांतरण का सुनहरा अवसर होता है। यह आत्मा की अनंत शक्तियों को जागृत करने का अवसर है। हम स्वयं के लिए जीते हैं, दूसरों के लिए जीना सीखें। उन्होंने बताया कि चातुर्मास में जैन धर्म की क्रिया का साइंटिफिक एविडेंस के विषयों पर कार्यशाला आयोजित होगी, जिसमें हर आयु वर्ग के लोग भाग ले सकेंगे।

कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवाचार्यश्री के चातुर्मास प्रवेश पर उपस्थित होने का सौभाग्य मिला। मैं आज अपने आपको धन्य मानता हूं। उन्होंने कहा जैन धर्म के संस्कारों से जोड़ने का महिला शक्ति का बड़ा योगदान है। हमारा सौभाग्य है कि हमने जैन कुल में जन्म लिया है। संसद के अंदर और बाहर जैन संस्कार परिलक्षित हो, उसके लिए मैं प्रतिबद्ध हूं।

अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस के अध्यक्ष आनंदमल छल्लाणी ने कहा कि यह चातुर्मास ज्ञान, ध्यान, आराधना और विभिन्न कार्यक्रमों के साथ होगा। महासंघ के अध्यक्ष सुरेश लुनावत ने चातुर्मास की सफलता की मंगलकामना की। स्वागताध्यक्ष सज्जनराज तालेड़ा ने विहार सेवा टीम की अनुमोदना करते हुए कहा कि हमारी टीम में चातुर्मास को यादगार बनाने के लिए जोश भरा हुआ है। उन्होने आत्मध्यान शिविर व बाल संस्कार शिविर में भाग लेने का आग्रह किया। महासंघ के मंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने कहा कि महासंघ ने सभी उपनगरीय संघों को जोड़ने का प्रयास किया है। आप सबको चातुर्मास में तन-धन-मन से सहभागी बनना है। जो नहीं जुड़ पाए हैं, उन्हें जोड़ने का प्रयास करें। रविवार को प्रवचन मध्याह्न 2.30 से होंगे। उन्होंने एक दिन एक संघ सेवा कार्यक्रम से भी जुड़ने का आव्हान किया। इस मौके पर सिकंदराबाद स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष अशोक शेरमल बोहरा, पारसमल नाहर, मोहनलाल गडवानी, पुष्पा चौरड़िया, कल्पना कर्नावट आदि ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्रवीण टाटिया उपस्थित रहे। मंगल प्रवेश के इस मौके पर बेंगलूरु, पूना, सिकंदराबाद, बालाघाट, महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित हुए।

पीपा मंदिर के नेत्र जांच शिविर में 80 लोगों की हुई जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज मंदिरके तत्वावधान में पीपाजी मंदिर पर दूसरी बार नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम मे महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो संस्था और डॉक्टर अग्रवाल हॉस्पिटल के द्वारा आंखों की जांच की गई जिसमें कुल मिलकर 80 सदस्य की जांच हुई। 60 सदस्य को चश्मे वितरण किए जाएंगे और 5 सदस्यों को ऑपरेशन किया जाएगा इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक माणक चंद, दिलीपकुमार, शिवांग और और मयंक बडगुजर परिवार रहे। इस कार्यक्रम में नवयुवक मण्डल अध्यक्ष धनराज सोलंकी, जगदीश प्रसाद चौहान, सुवालाल चौहान, नरेंद्र सोलंकी, नरेश मकवाना, धनराज सोलंकी, पंकज चौहान, सह सचिव नरेश मकवाना आदि उपस्थित थे।

एजी जैन विद्यालय में मनाई गई कामराज जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एजी जैन हायर सेकंडरी स्कूल में भारतीय राजनीति के महान नेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री, कुमारासामी कामराज के जन्मदिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की कार्यवाहक प्रधानाचार्या डॉ जयश्री ने दीप प्रज्वलित करके किया। डॉ जयश्री ने अपने उद्घाटन भाषण में कामराजजी के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कामराज ने शिक्षा और औद्योगिकीकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए और समाज के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया। इसके बाद, कक्षा 12वीं के छात्र मास्टर अकबर ने अंग्रेजी और कक्षा 10वीं के छात्र मास्टर निरंजन ने तमिल में कामराज की जीवनी पर एक प्रेरणादायक भाषण दिया। उन्होंने कामराज के संघर्षमय जीवन और उनकी कामराज योजना के बारे में विस्तार से बताया। उनके भाषण ने सभी छात्रों को प्रेरित किया और कामराज के आदर्शों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से कामराज के जीवन और कार्यों का चित्रण किया। इस अवसर पर विद्यालय के पत्राचारक गौतमचंद गोठी और सचिव दलजीतसिंह ढढा उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के अंत में कार्यवाहक प्रधानाचार्या महोदया ने कामराज के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज सेवा और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी छात्रों से अपील की कि वे अपने जीवन में कामराज के आदर्शों को अपनाएं और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करें।

आदि गौड़ ब्राह्मण भवन के रक्तदान शिविर में 131 लोगों ने किया रक्तदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय माधवरम आदि गौड़ ब्राह्मण ट्रस्ट भवन में श्याम सेवा परिवार ट्रस्ट के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिनमें 131 लोगों ने रक्तदान किए। किलपाक मेडिकल कॉलेज अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने इस शिविर में अपनी सेवाएं दी। आयोजित शिविर में आदि गौड़ ब्राह्मण ट्रस्ट के सचिव दीपक शर्मा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित किए।

इस मौके पर श्याम सेवा परिवार ट्रस्ट के अधिकारियों एवं सदस्यों तिसरे बार इस शिविर में बढ-चढ कर हिस्सा लिया। शिविर में ट्रस्ट के सदस्यों ने सहयोग दिया।

श्याम शरण हॉल का उदघाटन कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय श्याम सत्संग ट्रस्ट द्वारा श्याम मन्दिर के प्रांगण में श्याम शरण हॉल का भव्य उदघाटन 17 जुलाई को शाम 4 बजे होने जा रहा है। आयोजकों ने सभी श्याम भक्तों को उदघाटन कार्यक्रम में आमंत्रित किया है।

'असंभव को संभव कर सकता है संकल्प'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोमवार को नजरबाद स्थित बुद्धि-वीर वाटिका, शिक्षकर सदन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि चट्टानें बहुत मजबूत होती हैं। उन्हें तोड़ना सरल नहीं होता, पर लोहा उन्हें चूर-चूर कर सकता है। फौलादी ताकत का परचम है। ऐसा मजबूत लोहा भी आग के समक्ष हार जाता है। आग इस्पात को पिघालकर, भाप बनाकर उड़ा सकती है। इसी तरह आग कितनी भी विकराल हो, पानी में ऐसी शक्ति है कि वह भयानक आग को भी बुझा सकता है। आग पर पानी भारी पड़ता है, लेकिन इन सबसे अधिक मनुष्य का संकल्प शक्तिशाली होता है। वह असंभव को संभव कर सकता है। वह देवत्व को धरा पर उतार सकता है। संकल्प ही चमत्कार करता है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि संकल्प का बल ही मनुष्य जीवन की सफलता का मूलमंत्र है। चाहे किसी भी क्षेत्र में आप आगे बढ़ना चाहते हों, सबसे पहले उस राह पर आपका दृढ़ संकल्प होना चाहिये। मन से विचलित, कमजोर, भयभीत या संदेहशील लोग कभी ध्येय तक नहीं पहुंच सकते। इतिहास बनाने के लिए तो पक्का फैसला करना पड़ता है। दुविधाओं में रहने वाला व्यक्ति न घर का रहता है, न घाट का। और एक बार फैसला

करके आगे बढ़ने के बाद पीछे मुड़कर देखना नहीं होता। क्योंकि पलट-पलट कर देखने वाले कभी इतिहास नहीं बना सकते।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि कुछ करने से पहले संकल्प को मजबूत कीजिये। साधना की सिद्धि हो या संसार की सफलता, संकल्प के बिना कुछ नहीं हो सकता। वर्तमान पीढ़ी में संकल्प की गहरी कमी स्पष्ट दिखाई देती है। वह तत्काल सफलता और परिणाम चाहती है। सहना और संघर्ष करना उसे अच्छा नहीं लगता। वह इस्पात की तरह प्रहार सहने के बजाय कांच की तरह टूट रही है। स्वभाव की इस नीति-रीति को बदलना होगा। मन को हर संघर्ष और परिणाम के लिये तैयार करना चाहिये। गणि पद्मविमलसागरजी ने वर्षावास की गतिविधियों की जानकारी दी। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान, अशोक दांतेवड़िया ने योजनाएं प्रस्तुत की। प्रवीण दांतेवाडिया ने बताया कि प्रतिदिन धर्मसभा सुबह 9 बजे आयोजित होगी।

निखिल मेहता बने सुपार्श्वनाथ जैन युवक मंडल के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। शहर के आरजी स्ट्रीट स्थित राजस्थानी जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ द्वारा संचालित बड़ा सुपार्श्वनाथ मंदिर में एसएसजेएसएम युवक मंडल की साधारण सभा में सर्वसहमिति से निखिल मेहता को नए अध्यक्ष मनोनित किया गया।

इस कार्यक्रम में सबका स्वागत युवक मंडल के अध्यक्ष कल्पेश राठौड़ ने किया मंदिर के सचिव गौतम बाफना ने बताया की कोयंबटूर का सबसे बड़ा जैन युवक मंडल है जिसमें बाल मंडल, संगीत मंडल और बैंड मंडल में 275 से ज्यादा सदस्य उपस्थित थे। नई कार्यकारणी समिति में रितेश कोठारी, लीकेश जैन, राहुल मेहता, वीरेंद्र बाफना, प्रवीण बोहरा, हितेश संघवी, दिनेश तालेड़ा, विजय बाफना, संदीप संघवी, महेश कंकुलोल, दिलकुश सियाल, लालचंद जैन, कुणाल राठौड़, हितेश कुमार, विनित जैन, रिक्षित जैन शामिल थे।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रवासी प्रकोष्ठ चेन्नई संयोजक हंसराज पुरोहित और युवा मोर्चा सिरोही जिला उपाध्यक्ष मुकेश पुरोहित ने राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केबिनेट मंत्री जोगेश्वर गर्ग व पंचायत राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, आहोर विधायक छगनसिंह से मुलाक़ात कर प्रवासियों को होने वाली रेल की समस्या के बारे मे अवगत करवाया।

तेयुप हनुमंतनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर का दायित्व बोध ग्रहण समारोह का आयोजन साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी की निश्रा में हुआ जिसमें श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने किया। पवन मांडोत ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष कमलेश झाबक को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। उसके बाद अध्यक्ष झाबक ने अपने नए उपाध्यक्ष राहुल मेहता व देवेन्द्र आंचलिया, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री नवरतन बोल्या व रक्षित लोढ़ा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, संगठनमंत्री संदीप बाबेल को शपथ दिलवाई। इस मौके पर उपस्थित विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारियों से अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा को शुभकामनाएं दी। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने युवाओं को गुरु इंगित की आराधना करने की प्रेरणा दी। युवाओं को व्यशन मुक्त रहने की प्रेरणा दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.